

मुख्यमंत्री सूचना प्रणाली (सीएमआईएस) के अंतर्गत विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न, डीएम ने समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) माध्यम है। उन्होंने सभी विभागवार परियोजनाओं की रायबरेली। जिलाधिकारी विभागीय अधिकारियों को समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी



सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री सूचना प्रणाली (सीएमआईएस) के अंतर्गत विभिन्न विभागों की विकास परियोजनाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति, निर्माण कार्यों की प्रगति, निर्धारित समयसीमा, गुणवत्ता तथा विभागवार उपलब्धियों की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री सूचना प्रणाली प्रदेश सरकार की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं की प्रभावी निगरानी का महत्वपूर्ण

निर्देशित किया कि डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्रत्येक परियोजना की प्रगति नियमित रूप से अपडेट की जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब न होने पाए। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं में कार्य अपेक्षाकृत धीमी गति से चल रहा है, उनके लिए कार्ययोजना बनाकर शीघ्र प्रगति सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों से संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करते हुए गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में

ने लंबित कार्यों में तेजी लाने, वित्तीय एवं भौतिक प्रगति में सामंजस्य बनाए रखने तथा जनहित से जुड़ी परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक योजना का लाभ समय पर आमजन तक पहुंचे तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी सुधीर गिरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

परिवार के साथ सेवा में जुटे आईपीएस, कांवड़ मार्ग पर दिखी एसएसपी की अलग ही तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सहारनपुर। सहारनपुर में श्रावण कांवड़ यात्रा के दौरान एक अलग तस्वीर देखने को मिली। बरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी)

यात्रा में कोई परेशानी तो नहीं? सिर्फ खाद्य सामग्री बांटकर आगे बढ़ जाने के बजाय एसएसपी ने कई कांवड़ियों से बातचीत भी की। उन्होंने पूछा कि यात्रा के

कई शिवभक्तों ने कहा कि लंबी पैदल यात्रा के दौरान पानी और हल्का भोजन मिल जाना काफी राहत देता है। उनका कहना था कि पुलिस सिर्फ कानून-व्यवस्था



अभिनन्दन अपने परिवार के साथ कांवड़ मार्ग पर पहुंचे और पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर शिवभक्तों को केले, फ्रूटी, पानी और खाना बांटे। उन्होंने कांवड़ियों का हालचाल भी जाना और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए। श्रावण कांवड़ यात्रा के दौरान सहारनपुर में पुलिस की एक अलग तस्वीर देखने को मिली। पुलिस अधिकारी कांवड़ मार्ग पर सेवा करते नजर आए। बरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अपनी पत्नी, बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ थाना जनकपुरी क्षेत्र स्थित कांवड़ मार्ग पर पहुंचे, जहां उन्होंने शिवभक्तों का स्वागत किया और उन्हें फल, पानी और खाना बांटे। कांवड़ यात्रा के दौरान हजारों श्रद्धालु हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। लंबे सफर के बीच जब एसएसपी और उनका परिवार कांवड़ियों के बीच पहुंचा तो कई श्रद्धालु कुछ पल के लिए रुक गए। किसी को केले दिए गए, किसी को फ्रूटी और कई श्रद्धालुओं को ठंडा पानी उपलब्ध कराया गया। पुलिसकर्मी भी इस सेवा कार्य में उनके साथ शामिल रहे। शिवभक्तों से पूछा-

दौरान कहीं कोई दिक्कत तो नहीं आ रही है, रास्ते में व्यवस्थाएं ठीक हैं या नहीं और किसी प्रकार की पुलिस सहायता की जरूरत हो तो तुरंत बताएं। कांवड़ियों ने भी खुले मन से अपनी बातें साझा कीं। कई श्रद्धालुओं ने पुलिस की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस बार मार्ग पर सुरक्षा के साथ सुविधाओं का भी बेहतर इंतजाम दिखाई दे रहा है। सेवा कार्य के दौरान एसएसपी ने कांवड़ मार्ग पर तैनात पुलिस अधिकारियों और जवानों से भी बातचीत की। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात संचालन और भीड़ प्रबंधन की जानकारी ली। साथ ही निर्देश दिए कि कांवड़ियों के साथ विनम्र व्यवहार रखा जाए और किसी भी समस्या का तत्काल समाधान किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। परिवार भी बना सेवा अभियान का हिस्सा-इस पहल की एक खास बात यह रही कि एसएसपी अकेले नहीं पहुंचे थे। उनकी पत्नी, बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य भी सेवा कार्य में बराबर शामिल रहे। सभी ने मिलकर श्रद्धालुओं को फल और पानी बांटे। कांवड़ यात्रा पर निकले

संभालने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सेवा भाव के साथ भी दिखाई दी। कुछ श्रद्धालुओं ने कहा कि जब पुलिस इस तरह अपनापन दिखाती है तो यात्रा के दौरान सुरक्षा का भरोसा भी बढ़ता है। पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था पर फोकस-श्रावण कांवड़ यात्रा को देखते हुए सहारनपुर में जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रमुख कांवड़ मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन, बैरिकेडिंग और लगातार निगरानी की व्यवस्था की गई है। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल भी लगाया गया है ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। पुलिस अधिकारियों के अनुसार कंट्रोल रूम से भी पूरे रूट की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल मदद उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। श्रावण कांवड़ यात्रा के दौरान जगह-जगह सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं और स्थानीय लोग सेवा शिविर लगा रहे हैं। सहारनपुर में पुलिस की यह पहल भी उसी कड़ी का हिस्सा बनकर सामने आई। सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा पर भी ध्यान दिया गया।



शौर्य सिंह ने ताइक्वांडो में जीता सिल्वर, एसजेएस में मिला सम्मान, ताइक्वांडो मार्शल आर्ट ही नहीं बल्कि जीने की कला-रमेश बहादुर सिंह एसजेएस के छात्र हर क्षेत्र में अव्वल: डॉ. बीना तिवारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। कचेहरी रोड स्थित एसजेएस पब्लिक स्कूल में छात्र

ने छात्र को सम्मानित करते हुए कहा कि ताइक्वांडो केवल मार्शल आर्ट ही नहीं बल्कि जीने की

केडी सिंह बाबू स्टेडियम में सम्पन्न हुई राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में एसजेएस



शौर्य सिंह को सम्मानित किया गया। एसजेएस स्कूल के छात्र शौर्य सिंह ने स्टेट लेवल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल हासिल किया था। एसजेएस पब्लिक स्कूल के चेयरमैन श्री रमेश बहादुर सिंह

कला है। ये जीवन में अनुशासन सिखाता है। संस्थान की प्रधानाचार्य डॉ. बीना तिवारी ने शौर्य सिंह को बधाई देते हुए कहा कि एसजेएस के छात्र पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी अपना नाम कमा रहे हैं। लखनऊ के

पब्लिक स्कूल के कक्षा दस के छात्र शौर्य सिंह ने रजत पदक प्राप्त किया था। शौर्य सिंह की इस उपलब्धि पर उसके कोच अमित श्रीवास्तव ने उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन सूरज सर और अब्दुल खालिद सिद्दीकी ने किया।

सभी प्राइवेट शिक्षकों को मिले कैशलेस इलाज: यूपी स्कूल फेडरेशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। यूपी स्कूल फेडरेशन की एक बैठक फेडरेशन के कैम्प कार्यालय एसजेएस पब्लिक स्कूल में आहूत की गई जिसमें प्राइवेट शिक्षकों को भी कैशलेस चिकित्सा की सुविधा प्रदान करने के ईएसआईसी से जुड़े अस्पतालों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। बैठक में इस बाबत एक पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा गया है। बैठक में

फेडरेशन ने पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया है कि सभी वर्ग के शिक्षक समुदाय को स्वास्थ्य लाभ दिया जाए। फेडरेशन ने अनुरोध किया है कि ईएसआईसी में पंजीकृत कर्मचारियों के सापेक्ष जिलेवार एक अस्पताल के साथ अन्य प्राइवेट अस्पतालों को भी पैनल में लेकर कैशलेस इलाज की सुविधा प्रदान की जाए। इस संबंध में मुख्यमंत्री को संबोधित

एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया था। आज इस बैठक में एक पत्र माननीय नरेंद्र मोदी को भेजा जा रहा है। बैठक में फेडरेशन के संरक्षक श्री रमेश बहादुर सिंह जी, श्री शशिकांत शर्मा जी, श्री आमिर बेग जी, फेडरेशन के अध्यक्ष श्री ओ पी श्रीवास्तव जी, प्रबंधक श्री अग्रज सिंह जी, संयुक्त प्रबंधक श्री अनुज सिंह जी सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

जनभागीदारी से सफल होगा हर घर तिरंगा अभियान, बाजारों से लेकर प्रमुख चौराहों तक तिरंगा थीम पर सजेगा शहर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। हर घर तिरंगा अभियान को जनआंदोलन का

के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाए, राष्ट्रनायकों की प्रतिमाओं का अलंकरण कराया

तिरंगा थीम आधारित रंगोली बनाई जाए तथा विद्यालयों में तिरंगा प्रेरित कलाकृतियों एवं



स्वरूप देने और इसमें अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि व्यापारिक संगठनों, स्वैच्छिक संस्थाओं, निजी संस्थानों तथा अन्य सामाजिक संगठनों के सहयोग व जनभागीदारी से हर घर तिरंगा अभियान सफल को सफल बनाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। अभियान के दौरान जनपद

जाए तथा प्रमुख बाजारों, चौराहों और पार्कों को तिरंगा थीम पर सजाया जाए, उन्होंने बताया है कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सभी शासकीय भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, होटलों, कार्यालयों आदि पर ध्वजारोहण समारोह और तिरंगा प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी तथा नागरिकगण को तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर उसे वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए प्रेरित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि तिरंगा रैलियों में विद्यार्थियों, युवाओं, सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों, स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों तथा आमजन की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सार्वजनिक स्थलों पर

स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिताओं को प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस शासन के निर्देशानुसार आयोजित कर नई पीढ़ी को देश विभाजन की त्रासदी और उससे जुड़े इतिहास से अवगत कराया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (विस्त/राजस्व) सहदेव मिश्र, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रयागराज फैशन वीक में मॉडल और अभिनेत्री अवनी सिंह राजपूत ने बढ़ाया प्रतिभागियों का उत्साह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज फैशन वीक के भव्य आयोजन में मॉडल

पूरे कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने अवनी के सहज



और अभिनेत्री अवनी सिंह राजपूत ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मंच से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें आत्मविश्वास, मेहनत तथा अपने सपनों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर अवनी सिंह राजपूत आकर्षक नीले परिधान, ताज और 'Miss Universe Winner' सैंडल के साथ मंच पर नजर आईं। उनकी प्रभावशाली मौजूदगी ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा और

और विनम्र व्यवहार की सराहना करते हुए उन्हें 'डाउन टू अर्थ' और 'बेहद खूबसूरत' बताया। कई प्रशंसकों ने उनके साथ अवनी सिंह राजपूत की उपस्थिति ने प्रयागराज फैशन वीक को और भी यादगार बना दिया। उनके प्रेरक संबोधन और सकारात्मक ऊर्जा ने प्रतिभागियों का आत्मविश्वास बढ़ाया तथा कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आटा निर्माण इकाईयों से नमूने संग्रहित कर जांच हेतु भेजा प्रयोगशाला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। आयुक्त महोदया, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, 30प्र0 लखनऊ एवं जिलाधिकारी महोदय, प्रयागराज के निर्देश पर खाद्य पदार्थ आटा की निर्माण इकाईयों के निरीक्षण सम्बन्धी विशेष अभियान चलाये जाने के क्रम में अधोहस्ताक्षरी के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, प्रयागराज के पर्यवेक्षण में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल का गठन कर जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सघन निरीक्षण करते हुए कार्यवाही की गयी। सहायक आयुक्त (खाद्य) अभिहित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बताया है कि निरीक्षण में मेसर्स अमित फूड प्रोडक्ट, गढ़ोपुर फाफामऊ से

आटा (बहुरानी ब्रांड) का नमूना, मेसर्स जय भोले बाबा इण्टरप्राइजेज, कीडगंज से आटे का एक नमूना, मेसर्स मंगलत फूड प्रोडक्ट, औद्योगिक क्षेत्र नैनी स्थित निर्माण इकाई से आटे का एक नमूना एवं मेसर्स एल. सी. फूड्स, औद्योगिक क्षेत्र नैनी स्थित निर्माण इकाई से आटे का एक नमूना संग्रहित किया गया। इसके साथ ही परिसर में पायी गयी कमियों को सुधार हेतु निर्देशित किया गया। इस प्रकार कुल 04 नमूने संग्रहित कर जांच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किया गया। उपरोक्त नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत खाद्य कारोबारकर्ता के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जायेगी।



(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा की 8 तारीख को राहुल गांधी का गूँज कार्यक्रम हम वही केपी कालेज में ही करेंगे हमने इसकी जानकारी प्रशासन को दे दी है, अजय राय का कहना है की पहले मैदान की अनुमति दी गई बाद में दबाव में कैसिल किया गया लेकिन हम कार्यक्रम वहीं करेंगे-3:15 पर राहुल गांधी प्रयागराज पहुंचेंगे उसके बाद स्वराज भवन जायेंगे 5 बजे से 8 बजे तक केपी कालेज मैदान प्र गूँज कार्यक्रम में रहेंगे।

सीतापुर के भाजपा जिला अध्यक्ष ने कांवड़ियों पर की पुष्प वर्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सीतापुर। श्री शिव कावड़ सेवा संघ द्वारा आयोजित कावड़ यात्रा (राजघाट से गोला गोकर्णनाथ तक) में शामिल कांवड़ियों का भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला द्वारा महोली में

योगी आदित्यनाथ महाराज जी जो कि संत परंपरा से हैं कावड़ियों को सम्मान को सर्वोपरि रखते हैं तो वहीं भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता इस सम्मान को अपने सर माथे रखता है। उन्होंने यात्रा में भाग ले रहे सभी कावड़ियों को इस पावन कार्य के लिए बधाई दी इस अवसर पर नगर अध्यक्ष महोली तरुण शुक्ला ब्लॉक प्रमुख पिसावा मिथिलेश यादव मनोनी मिश्रा सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फेलिक्स हॉस्पिटल और नोएडा लोक मंच की पहल से सिर्फ 30 रुपये में 24 घंटे मिलेगी ऑनलाइन डॉक्टर से परामर्श की सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। अब शहर के लोगों को सामान्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के लिए हर बार अस्पताल जाने की जरूरत नहीं होगी। नोएडा



लोक मंच के निःशुल्क दवा बैंक एवं चिकित्सा केंद्र और फेलिक्स हॉस्पिटल वे 5 सहयोग से ऑनलाइन हेल्थ सर्विस शुरू की गई है। इसके तहत लोग महज 30 रुपये में 24 घंटे अनुभवी डॉक्टरों से वीडियो कंसल्टेशन के जरिए चिकित्सकीय परामर्श ले सकेंगे। शुक्रवार को सेक्टर-15 स्थित नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान सेवा का शुभारंभ किया गया। फेलिक्स हॉस्पिटल के सीएमडी डॉ. डीके गुप्ता ने बताया कि नई सेवा के तहत वीडियो कंसल्टेशन के साथ ऑनलाइन अपॉइंटमेंट और ई-प्रिस्क्रिप्शन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसका सबसे अधिक फायदा बुजुर्गों, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों और उन मरीजों को मिलेगा, जिन्हें किसी स्वास्थ्य समस्या के लिए तत्काल चिकित्सकीय सलाह की जरूरत होती है, लेकिन अस्पताल पहुंचने में परेशानी होती है। ऑनलाइन

हेल्थ सर्विस के तहत इमरजेंसी में 15-20 किमी दायरे में मुफ्त एंबुलेंस और 15 प्रतिशत छूट पर दवा की सुविधा

डॉक्टर परामर्श की सुविधा कोबीसों घंटे उपलब्ध रहेगी। आपातकालीन स्थिति में 15 से 20 किलोमीटर के दायरे में 24 घंटे संचालित फार्मसी से दवाएं 15 प्रतिशत छूट पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा इमरजेंसी में निःशुल्क एंबुलेंस सेवा भी उपलब्ध होगी। एंबुलेंस सुविधा सिर्फ फेलिक्स हॉस्पिटल तक मरीज को पहुंचाने तक सीमित नहीं होगी। जरूरत पड़ने पर मरीज को सरकारी अस्पताल तक भी पहुंचाया जाएगा। इसके साथ ही फेलिक्स हॉस्पिटल में आईपीडी उपचार पर 30 प्रतिशत की विशेष छूट देने की बात भी कही गई है। पहल का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। कई बार

जनभागीदारी से सफल होगा हर घर तिरंगा अभियान, बाजारों से लेकर प्रमुख चौराहों तक तिरंगा थीम पर सजेगा शहर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। हर घर तिरंगा



अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने और इसमें अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोक़ा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि व्यापारिक संगठनों, स्वेच्छिक संस्थाओं, निजी संस्थानों तथा अन्य सामाजिक संगठनों के सहयोग व जनभागीदारी से हर घर तिरंगा अभियान सफल को सफल बनाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान स्वातंत्रता संग्राम सेनानियों तथा राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। अभियान के दौरान जनपद के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाए, राष्ट्रीयता की प्रतिमाओं का अलंकरण कराया जाए तथा प्रमुख बाजारों, चौराहों और पार्कों को तिरंगा थीम पर सजाया जाए, उन्होंने बताया है कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सभी शासकीय भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, होटलों, कार्यालयों

रैलियों में विद्यार्थियों, युवाओं, सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों, स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों तथा आमजन की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा थीम आधारित रंगोली बनाई जाए तथा विद्यालयों में तिरंगा प्रेरित कलाकृतियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिताओं को प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस शासन वेग 'निर्देशानुसार आयोजित कर नई पीढ़ी को देश विभाजन की त्रासदी और उससे जुड़े इतिहास से अवगत कराया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (विस्तार/राजस्व) सहदेव मिश्र, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा स्थित फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन के बच्चों ने अपने हाथों से बनाए उपहारों से बी.एल. वर्मा को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आज नोएडा स्थित



फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों, अभिभावकों और संस्था की टीम ने केंद्रीय राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बी.एल. वर्मा के निवास पर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं आदर अर्पित किए। इस अवसर को सबसे खास बनाया बच्चों के स्वयं के हाथों से बनाए हुए

द एसडी विद्या स्कूल में छात्र परिषद् शपथ ग्रहण एवं अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। द एसडी विद्या स्कूल में



शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए वार्षिक छात्र परिषद् शपथ ग्रहण एवं अलंकरण समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात व्यवसायी श्री शशि भूषण शर्मा एवं श्रीमती दुर्गा देवी रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत से हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। छात्र परिषद् के चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को ऑडियो-वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिससे विद्यार्थियों को

हाथ से तैयार किए हुए सुंदर फूल, हैंडवॉश और एक विशेष मैगजीन बनाकर सर को भेंट की। हर एक उपहार में बच्चों की रचनात्मकता और आत्मविश्वास झलक रहा था। टीम ने कहा कि बी.एल. वर्मा का दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और सामाजिक समावेशिता के लिए अटूट समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा है। आपके मार्गदर्शन से हमें सेवा के क्षेत्र में नई ऊर्जा

लोकतांत्रिक मूल्यों की जानकारी मिली। समारोह में नव-निर्वाचित

प्यार से गले लगाया, उनके प्रयासों की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा - 'इस प्रकार के प्रयास ही समाज को अधिक संवेदनशील और समावेशी बनाते हैं।

' इस अवसर पर फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन की टीम, अभिभावक और बच्चे उपस्थित रहे और इस पल को गर्व और खुशी के साथ मनाया।

विद्यालय की गरिमा बनाए रखने तथा विद्यार्थियों के हित में

सिर्फ रु30 में 24 घंटे ऑनलाइन डॉक्टर से परामर्श, नोएडा लोक मंच ने शुरू की नई हेल्थ सर्विस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आमजन, बुजुर्गों और जरूरतमंदों को घर बैठे सुलभ



स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नोएडा लोक मंच के निःशुल्क दवा बैंक एवं चिकित्सा केंद्र तथा फेलिक्स हॉस्पिटल, नोएडा ने संयुक्त रूप से ऑनलाइन हेल्थ सर्विस का शुभारंभ किया। इसके तहत अब मात्र रु30 में 24 घंटे अनुभवी डॉक्टरों से वीडियो कंसल्टेशन की सुविधा उपलब्ध होगी। शुक्रवार को नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी, सेक्टर-15, नोएडा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस संपन्न हुई, जिसमें नोएडा लोक मंच एवं फेलिक्स हॉस्पिटल, नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन हेल्थ सर्विस का शुभारंभ किया गया। इस सेवा के माध्यम से मात्र 30 रुपये में 24 घंटे ऑनलाइन अनुभवी चिकित्सकों से वीडियो के माध्यम से परामर्श उपलब्ध कराने की पहल की गई है। फेलिक्स हॉस्पिटल के सी.एम.डी. डॉ. डी. के. गुप्ता ने बताया कि अस्पताल की ओर से 24 घंटे ऑनलाइन डॉक्टर परामर्श उपलब्ध रहेगा। आपातकालीन स्थिति में 15-20 किलोमीटर के दायरे में 24 घंटे संचालित फार्मसी से दवाएं 15कीसदी छूट पर उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, इमरजेंसी में

मिलने वाली सुविधाओं तथा फेलिक्स हॉस्पिटल की भूमिका को लेकर सवाल किए। पत्रकारों



के सवालों का जवाब देते हुए योजना से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को



अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। उन्होंने कहा कि कई बार बुजुर्गों, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों और ऐसे मरीजों के लिए अस्पताल तक पहुंचना

कठिन होता है। नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि 9 अगस्त को आयोजित होने वाले मेगा हेल्थ कैंप में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श के साथ लाभार्थियों के हेल्थ कार्ड भी बनाए जाएंगे। कार्यक्रम में फेलिक्स हॉस्पिटल से सी.एम.डी. डॉ. डी. के. गुप्ता, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुप्ता भी उपस्थित रहें। नोएडा लोक मंच की ओर से महासचिव महेश सक्सेना, और विनीत गर्ग, पवन यादव, आर. एन. श्रीवास्तव, कुशाग्र अवस्थी, जमील अहमद, एस. के. जैन, वी. के. जैन, मुकुल बाजपेयी, रेनु छिब्बर, विभा बंसल, विनोद शर्मा, ओ. पी. पारीक, ब्रज गोपाल एवं प्रदीप वोहरा सहित



अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। नोएडा लोक मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल दवाएं उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि

फेलिक्स हॉस्पिटल के सहयोग से वीडियो कंसल्टेशन, ई-प्रिस्क्रिप्शन और आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं की शुरुआत

निःशुल्क एंबुलेंस सेवा उपलब्ध होगी। यह सुविधा केवल फेलिक्स हॉस्पिटल ही नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सरकारी अस्पताल तक मरीज को पहुंचाने के लिए भी दी जाएगी। इसके अलावा, आई.पी.डी. उपचार पर 30कीसदी की विशेष छूट की प्रदान की जाएगी। पत्रकारों के सवालों का दिया जवाब-प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों ने ऑनलाइन हेल्थ सर्विस से जुड़े विभिन्न पहलुओं, सेवा की उपलब्धता, 30 रुपये के परामर्श शुल्क, बुजुर्गों एवं जरूरतमंदों को

मुश्किल होता है, जिन्हें तत्काल चिकित्सकीय सलाह की आवश्यकता होती है। ऐसे लोगों के लिए ऑनलाइन वीडियो कंसल्टेशन एक उपयोगी माध्यम साबित हो सकता है। फेलिक्स हॉस्पिटल, नोएडा के सहयोग से शुरू की गई ऑनलाइन हेल्थ सर्विस के अंतर्गत वीडियो कंसल्टेशन, ऑनलाइन अपॉइंटमेंट और ई-प्रिस्क्रिप्शन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह पहल विशेष रूप से उन बुजुर्गों एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए उपयोगी होगी, जिन्हें बार-बार अस्पताल जाना

जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़कर उन्हें बेहतर और सम्मानजनक जीवन की दिशा में सहयोग देना है। ऑनलाइन हेल्थ सर्विस इसी सोच का विस्तार है, जिसके माध्यम से तकनीक और वीडियो कंसल्टेशन के जरिए स्वास्थ्य सुविधा को व्यक्ति के घर तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि 'स्वस्थ समाज, सशक्त समाज, बेहतर हर ईसान' के संकल्प के साथ ऐसी जनहितकारी स्वास्थ्य सेवाओं को भविष्य में और अधिक विस्तार दिया जाएगा।

आईएमएस नोएडा में रिवर्स कोडिंग ट्रेजर हंट का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 62 स्थित आईएमएस नोएडा के स्कूल ऑफ

किया। कार्यक्रम की समन्वयन डॉ. ज्योति त्रिपाठी ने बताया कि प्रतियोगिता में 'एल्गोरिथ

आयोजन विद्यार्थियों को सीखने का व्यावहारिक मंच प्रदान करेगा, जिससे वे वास्तविक



आईटी के कोडिंग क्लब द्वारा 'कोडक्वैस्ट-2026 : रिवर्स कोडिंग ट्रेजर हंट' का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रोग्रामिंग, तार्किक विश्लेषण, समस्या समाधान क्षमता तथा टीमवर्क को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रिवर्स कोडिंग चुनौतियों को हल करते हुए अगले चरण के सुराग प्राप्त किए। इस अनूठी प्रतियोगिता ने कोडिंग को रोमांचक ट्रेजर हंट का रूप दिया। जिससे प्रतिभागियों ने तकनीकी ज्ञान, रचनात्मक सोच, तार्किक क्षमता और टीम समन्वय का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हर्तर्स' टीम ने प्रथम, 'वानक्य के चेलें' टीम ने द्वितीय तथा 'आवर कोडिंग जर्नी' टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए, जबकि सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए संस्थान के सलाहकार प्रो. (डॉ.) जे.के. शर्मा ने कहा, कि तकनीकी शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नवाचार, तार्किक सोच, समस्या समाधान क्षमता और टीमवर्क जैसी जीवनोपयोगी दक्षताओं का विकास करना भी है। 'कोडक्वैस्ट-2026' जै से

चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिक सक्षम बनेंगे। वहीं स्कूल ऑफ आईटी के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अजय गुप्ता ने कहा कि 'आज के डिजिटल युग में केवल कोडिंग सीखना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समस्याओं का तार्किक विश्लेषण, नवाचार और टीम के साथ मिलकर समाधान विकसित करने की क्षमता भी उत्तरी ही आवश्यक है।'डक्वैस्ट-2026' विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता के साथ-साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार किया जा सके।

‘जान दे देंगे, जमीन नहीं देंगे’- विंध्य एक्सप्रेस-वे के विरोध में किसानों का उग्र प्रदर्शन, सरकार पर शोषण का आरोप:संदीप मिश्रा
(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। घोरावल विधानसभा



क्षेत्र के बनौरा गांव में प्रस्तावित विंध्य एक्सप्रेस-वे के विरोध में किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों किसानों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी पुश्तैनी जमीन बचाने का संकल्प दोहराया। प्रदर्शन का नेतृत्व किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने किया। उन्होंने सरकार पर किसानों का शोषण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विकास के नाम पर किसानों की उपजाऊ जमीन छीनी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का काम किसानों का संरक्षण करना है, लेकिन आज किसानों का केवल शोषण किया जा रहा है। किसान अपनी पुश्तैनी जमीन किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे। किसानों ने कहा कि यदि विंध्य एक्सप्रेस-वे का निर्माण वर्तमान प्रस्ताव के

प्रभावित होगी, जिससे हजारों परिवारों की आजीविका संकट में पड़ जाएगी। किसान बबलू कुमार ने कहा, 'जान भले चली जाए, लेकिन अपनी पुश्तैनी जमीन नहीं देंगे। एक्सप्रेस-वे बनने से किसानों को भारी नुकसान होगा और हम अंतिम दम तक इसका विरोध करेंगे।' किसान रुपेश दूबे ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों के अधिकार छीनने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पुश्तैनी जमीन ही किसानों की सबसे बड़ी पूंजी है और इसे बचाने के लिए आंदोलन लगातार जारी रहेगा। किसान रामसिंह पटेल तथा पूर्व प्रधान शकील अहमद ने भी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि किसानों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन और उग्र होगा। उनका कहना था कि विकास के नाम

को किसानों के हितों की रक्षा करनी चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए संदीप मिश्रा ने हुंकार भरते हुए कहा कि 'जब तक किसानों की जमीनी और अधिकार सुरक्षित नहीं होंगे, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। सरकार किसानों की आवाज दबाने की बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करे। किसान झुकने वाले नहीं हैं और अपने हक की लड़ाई लोकतांत्रिक तरीके से लगातार लड़ेंगे।' प्रदर्शन के अंत में किसानों ने एक स्वर में चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो विंध्य एक्सप्रेस-वे के विरोध में आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा आज के कार्यक्रम बबलू प्रधान रामसिंह पटेल प्रधान जी शकील अहमद सुरेश मौर्य दिनेश चेलो आकाश चौहान विजय चौहान व सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

रॉबर्ट्सगंज में सड़क किनारे वैंडिंग की समस्या होगी खत्म, ओवरपास के नीचे विकसित होगा आधुनिक वैंडर जोन

एनसीएल ने सीएसआर के तहत रूपया 89.59 लाख की परियोजना को वी मंजूरी, स्ट्रीट वैंडरों को मिलेगा व्यवस्थित एवं सुरक्षित स्थान,जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से सोनभद्र के विकास को मिल रही गति, नगर क्षेत्र को बेहतर स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रदेश सरकार की विकासपरक एवं जनहितकारी नीतियों के क्रम में जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से जनपद सोनभद्र में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। जनसुविधाओं के विस्तार, नगर क्षेत्रों को व्यवस्थित एवं बेहतर स्वरूप प्रदान करने तथा आमजन की समस्याओं के प्रभावी समाधान की दिशा में विभिन्न स्तरों पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में रॉबर्ट्सगंज नगर क्षेत्र में सड़क किनारे एवं सार्वजनिक स्थानों पर अव्यवस्थित रूप से लगने वाले ठेलें, पटरी दुकानों एवं अन्य स्ट्रीट वैंडरों की समस्या के स्थायी एवं व्यवस्थित समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। नॉर्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी सी0एस0आर0 वे0 अंतर्गत

रॉबर्ट्सगंज में ओवर ब्रिज के नीचे उपलब्ध स्थान पर वैंडर जोन विकसित करने की परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना के लिए एनसीएल द्वारा रूपया 89,59,838.00 करी धनराशि स्वीकृत की गई है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने बताया कि परियोजना के पूर्ण होने से नगर क्षेत्र में सड़क किनारे एवं सार्वजनिक स्थानों पर अव्यवस्थित रूप से दुकानें लगाने वाले स्ट्रीट वैंडरों को निर्धारित, सुरक्षित एवं व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे स्ट्रीट वैंडरों की आजीविका को सुरक्षित एवं स्थायित्व मिलेगा तथा नगर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था, पैदल आवागमन, स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण में भी सुधार होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार की विकासपरक नीतियों के अनुरूप जनपद में विकास कार्यों को गति देने के साथ-साथ जनसामान्य की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। एनसीएल की सीएसआर निधि से प्रस्तावित यह परियोजना रॉबर्ट्सगंज नगर क्षेत्र को अधिक व्यवस्थित एवं सुविधायुक्त बनाने के साथ ही स्ट्रीट वैंडरों को सम्मानजनक एवं सुरक्षित आजीविका का अवसर उपलब्ध

कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। परियोजना का क्रियान्वयन एनसीएल मुख्यालय के सीएसआर विभाग एवं जिला प्रशासन, सोनभद्र के मध्य समझौता ज्ञापन एम0ओ0यू0 के माध्यम से किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चरणबद्ध रूप से जारी की जाएगी। कार्य की प्रगति एवं पूर्णता से संबंधित उपयोगिता प्रमाण-पत्र, पूर्णता प्रमाण-पत्र एवं जियो-टैग कोटिंग्राफ सहित आवश्यक अभिलेख निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत किए जाएंगे। एनसीएल द्वारा श्री राजाराम यादव, उप प्रबंधक सी0डी0 को परियोजना प्रबंधक नामित किया गया है। परियोजना को मार्च 2027 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह परियोजना जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से जनपद सोनभद्र के समग्र एवं संतुलित विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे रॉबर्ट्सगंज नगर क्षेत्र में स्ट्रीट वैंडरों की समस्या के समाधान के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने, सार्वजनिक स्थानों को व्यवस्थित करने, स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी और विकसित एवं व्यवस्थित सोनभद्र की परिकल्पना को और मजबूती मिलेगी।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि : क्षमता से अधिक बच्चों को वाहन में बैठाने पर होगी सख्त कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में स्कूली बच्चों



की सुरक्षित एवं संरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद वे0 समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि विद्यालयों में बच्चों के आवागमन हेतु संचालित ऑटो, टोटो, बैन, बस एवं अन्य वाहनों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाए। किसी भी वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर परिवहन किए जाने पर संबंधित वाहन चालक एवं संचालक के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक एवं यातायात संबंधी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

क्षेत्रान्तर्गत संचालित विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण वे0 दौरान विद्यालयों में बच्चों को लाने-ले जाने वाले ऑटो, टोटो, बैन एवं बसों की जांच की गई तथा वाहन चालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसी भी दशा में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को वाहन में न बैठाया जाए तथा यातायात नियमों का पूर्णतः पालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों के प्रधानाचार्यों/प्रधानाध्यापकों एवं प्रबंधन समिति वे0 पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विद्यालय द्वारा संचालित अथवा अनुबंधित सभी वाहनों

का समय-समय पर सत्यापन कराया जाए। प्रत्येक वाहन में निर्धारित क्षमता, फिटनेस, बंध परमिट, बीमा, चालक का वैध ड्राइविंग लाइसेंस तथा अन्य आवश्यक अभिलेख उपलब्ध होना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वाहन संचालकों को नियमित रूप से सुरक्षा मानकों का पालन कराने हेतु निर्देशित किया जाए। सोनभद्र पुलिस जनपद के समस्त विद्यालयों एवं स्कूली वाहनों का नियमित निरीक्षण कर रही है। बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया



जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों एवं संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

रोजगार मेला में कुल 94 अभ्यर्थियों का चयन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला सेवायोजन



कार्यालय, सोनभद्र द्वारा दिनांक 07.08.2026 को प्रातः 10:00 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया। मेला में लगभग 270 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। मेला में कुल 08 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें मुख्यतः विजन इण्डिया प्रा0लि0 (हिन्डालको इन्डस्ट्रीज), सोनभद्र, विश्वनाथ इण्टरप्राइज (रायल इन्फिल्ड) सोनभद्र, जूनी फूड एप, सोनभद्र, ग्लोबल

ग्रामीण लि0, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, सुलेरा इंडस्ट्रीज, सोनभद्र, वज एल0ई0डी0 सोल्यूशन प्रा0लि0, सोनभद्र इत्यादि रही। इस मेले में विभिन्न पदों पर कम्पनियों द्वारा कुल 94 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी श्री विवेक साहू सेवायोजन कार्यालय के श्री सचिवा नन्द, रोजगार मेला प्रभारी श्री पवन कुमार सोनकर, श्री प्रदीप सिंह, यंग प्रोफेशनल श्री सुरेन्द्र प्रजापति, एवं कार्यालय के सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 31 दिवसीय निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के ग्रामीण, शिक्षित एवं बेरोजगार युवतियों/महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अग्रणी बैंक इंडियन बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), सोनभद्र में वूमैन्स टेलर (सिलाई) का 31 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है.आरसेटी के निदेशक श्री विशाल खन्ना ने बताया कि प्रशिक्षण में सिलाई का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के साथ-साथ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, प्रोजेक्ट तैयार करने, बैंक ऋण हेतु आवेदन

करने एवं स्वरोजगार स्थापित करने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के लिए 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की बेरोजगार युवतियां/महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। बीपीएल/एँण-2011 परिवार वे0 सदस्यों एवं विध्यांगजनों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान से संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं। चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी आरसेटी भवन, सरकारी आईटीआई के पास, लोढ़ी टोल प्लाजा के पश्चिम, लोढ़ी, सोनभद्र में संपर्क कर सकते हैं। संपर्क नंबर : 9120984244, 7992133781

बभनी में कई किमी सड़क जर्जर,घघरा से नौडीहा मार्ग कई वर्षों से खराब, लोग परेशान

सोनभद्र। सोनभद्र के बभनी विकासखंड में घघरा से नौडीहा



है। इस सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्ष 2008

तक लगभग 4 किलोमीटर लंबी सड़क कई वर्षों से खराब है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग और वाहन गुजरते हैं, जिन्हें आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की सोलिंग गिड़ी पूरी तरह से उखड़ गई है और जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। कुछ स्थानों पर गड्ढे इतने बड़े हैं कि वे कुएं जैसे दिखते हैं। बारिश के मौसम में इन गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क पर फिसलन बढ़ जाती है, जिससे वाहन चालकों के गिरने और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता

दीवा बेलन नदी के पुल के पास दिखा मगरमच्छ, कुछ महीने पहले बालक को मार चुका था

सोनभद्र। दीवा बेलन नदी के पुल के पास आज एक विशाल मगरमच्छ देखा गया। इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। ज्ञात हो कि कुछ महीने पहले इसी नदी में एक मगरमच्छ ने दीवा के एक बालक को मार डाला था। आज पुनः मगरमच्छ के दिखने से लोगों में भय का माहौल है। मगरमच्छ को देखने के लिए पुल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। बेलन नदी में स्थानीय लोग नियमित रूप से



सूचना बोर्ड लगाए जाएं ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

सोनभद्र चोपन और रॉबर्ट्सगंज की दवा दुकानों पर औषधि विभाग की छापेमारी नशीली व संदिग्ध दवाओं के 6 सैंपल सीज

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में नशीली और नकली दवाओं के

मेडिकल स्टोर, आर.के. मेडिकल एजेंसी तथा न्यू कृष्णा मेडिकल

बिल प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसवे0 अलावा दुकानों में



अवैध कारोबार व बिक्री पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शुक्रवार (07 अगस्त 2026) को जिलाधिकारी सोनभद्र एवं सहायक आयुक्त (औषधि) मिर्जापुर के संयुक्त निर्देश पर औषधि निरीक्षक द्वारा हेतु सहायक आयुक्त (औषधि) मिर्जापुर मंडल को भेजा जा रहा है।निरीक्षण के दौरान गुणवत्ता के दृष्टिकोण से संदिग्ध प्रतीत हो रही कुल 06 औषधियों के नमूने (सैंपल) राजकीय प्रयोगशाला में जांच एवं परीक्षण हेतु संग्रहित किए गए।लैब रिपोर्ट आने के उपरांत औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा निरीक्षण आख्या में दर्ज कराई गई दवाओं के क्रय-विक्रय

एजेंसी के संचालक मौके पर उपस्थित मिले। इन तीनों फर्मों की संचालकों की मौजूदगी में गहनता से जांच की गई। जांच के दौरान पाई गई गंभीर कमियों को निरीक्षण रिपोर्ट (आख्या) में दर्ज करते हुए अग्रिम कार्रवाई के दृष्टिकोण से संदिग्ध प्रतीत हो रही कुल 06 औषधियों के नमूने (सैंपल) राजकीय प्रयोगशाला में जांच एवं परीक्षण हेतु संग्रहित किए गए।लैब रिपोर्ट आने के उपरांत औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा निरीक्षण आख्या में दर्ज कराई गई दवाओं के क्रय-विक्रय

कालातीत (एक्सपायर्ड) दवाइयों भी रखी पाई गई। इस गंभीर लापरवाही पर संबंधित फर्मों को कारण बताओ नोटिस (एवै0 एलै0 नूगम) जारी किया जा रहा है। औषधि निरीक्षक ने चोपन व आसपास के सभी थोक एवं फुटकर दवा विक्रेताओं को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि कफ सिरप, नशीली दवाएं एवं नींद की गोलियां बिना किसी पंजीकृत चिकित्सक के पर्चे के कदापि न बेची जाएं।

अधिकारियों ने चेताया कि यदि किसी भी मेडिकल स्टोर द्वारा नियमों का उल्लंघन पाया गया, तो संबंधित संचालक के विरुद्ध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 तथा नियमावली 1945 की सुसंगत व कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दुकान का लाइसेंस निरस्त किया जाएगा।

सोनभद्र में सपा सांसद ने सुनीं जनसमस्याएं, फ्लाईओवर के टूटे पाइप जल्द ठीक कराने का भरोसा,कार्यकर्ताओं से चर्चा

सोनभद्र। सोनभद्र में सपा सांसद छोटेला खरवार ने शुक्रवार को रावटसगंज में

आश्वासन दिया कि वह जल्द ही नगरवासियों और कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत बैठक करेंगे।



अचानक कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। दिल्ली से लौटते समय वह स्वर्ण जयंती चौक स्थित एक चाय की दुकान पर रुके। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ चाय पर चर्चा की और नगर की स्थानीय समस्याओं के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भी बातचीत की। कार्यकर्ताओं ने सांसद को रावटसगंज फ्लाईओवर में लगे पाइपों के टूटे होने की समस्या बताई। उनका कहना था कि पाइप टूटने के कारण बारिश का गंदा पानी सीधे नीचे गिरता है। इससे फ्लाईओवर के नीचे से गुजरने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कार्यकर्ताओं ने सांसद से समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की। इस पर सांसद ने

अधिकारियों से बात कर समस्या का समाधान कराने का आश्वासन-सांसद खरवार ने कहा कि दिल्ली में व्यस्तता के कारण फिलहाल ज्यादा समय नहीं दे पा रहे हैं, लेकिन जल्द ही रावटसगंज में बैठक करेंगे। बैठक में नगर की समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों से बातचीत की जाएगी। उन्होंने कहा कि फ्लाईओवर के टूटे पाइप समेत लोगों से जुड़ी अन्य समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। 11-12 अगस्त को सोनभद्र आएंगे पूर्व मंत्री राम आश्रय विश्वकर्मा-चाय पर चर्चा के दौरान सांसद ने कार्यकर्ताओं को पार्टी के आगामी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) जनसंर्पर्व कार्यक्रम की जानकारी भी दी।

रहेंगे। पूर्व मंत्री इस दौरान जिले की चारों विधानसभा सीटों का भ्रमण करेंगे। वह पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात कर संगठन की स्थिति की जानकारी लेंगे। विधानसभा चुनाव की तैयारी, कार्यकर्ताओं को पीडीए मजबूत करने की सलाह-सांसद खरवार ने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सक्रिय रहने को कहा। उन्होंने कहा कि पार्टी के पीडीए कार्यक्रम को गांव और बूथ स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ संगठन को मजबूत करने और ज्यादा से ज्यादा लोगों से संपर्क करने की अपील की। इस दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं ने सांसद के साथ नगर की अन्य समस्याओं और संगठन से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की।

खड़देऊर में सरकारी गोदाम पर हुई खाद की कमी,किसान परेशान, सचिव पर मनमानी बिक्री का आरोप

सोनभद्र। जिले के घोरावल ब्लॉक के खड़देऊर गांव में स्थित

नहीं है। उनका मानना है कि बिना पर्याप्त खाद के धान की



वि-पैक्स समिति के सरकारी गोदाम पर किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। किसानों का आरोप है कि समय पर खाद न मिलने से उनकी फसलें बर्बाद हो रही हैं और पैदावार प्रभावित हो रही है। किसानों का कहना है कि धान की रोपाई के बाद उन्हें डीएपी और यूरिया की सख्त जरूरत है, लेकिन यह उपलब्ध

अच्छी पैदावार संभव नहीं है, जिससे उन्हें भारी नुकसान हो सकता है। किसानों ने सरकारी गोदाम के सचिव आजाद हिंद भारती पर मनमानी तरीके से खाद बेचने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सचिव सुबह-शाम चोरी-छिपे खाद बेच रहे हैं। कई किसानों ने बताया कि जिन किसानों के पास

खतौनी है, किसान काई थारक हैं और जिन पर सरकारी कर्ज नहीं है, उन्हें भी खाद नहीं दिया जा रहा है। किसानों के अनुसार, बड़े और अमीर किसानों को आसानी से खाद मिल रही है, जबकि गरीब किसान एक-दो बोरी खाद के लिए परेशान हैं। बाजार में डीएपी खाद की कीमत 2000 रुपये और यूरिया की कीमत 500 रुपये है, जबकि सरकारी गोदाम पर डीएपी 1350 रुपये और यूरिया 266 रुपये में उपलब्ध होनी चाहिए। सरकारी दर पर खाद न मिलने से किसानों को महंगा खाद खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है।इस समस्या को लेकर दयाराम, नंदलाल, नागेश्वर, सुभाष, दीपू, पंकज, आदर्श, बीनू, संदीप, नीरज सहित बड़ी संख्या में किसान सरकारी गोदाम पर इकट्ठा हुए। उन्होंने भारत सरकार और राज्य सरकार से किसानों को सुबह-शाम चोरी-छिपे खाद बेच रहे हैं, ताकि उनकी फसलें अच्छी हों और पैदावार बढ़े।

स्पोर्ट्स

गिल वार्म-अप मैच के पहले दिन नहीं खेल रहे,हाथ में चोट, राहुल कप्तानी संभाल रहे, श्रीलंका-ए ने बल्लेबाजी चुनी

स्पोर्ट डेस्क। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका



इलेवन के खिलाफ वॉर्म-अप मैच के पहले दिन नहीं खेल रहे हैं। बीसीसीआई ने बताया कि गुरुवार को प्रैक्टिस के दौरान उनके दाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी। वॉर्म-अप मैच में भारतीय टीम की कप्तानी केएल राहुल कर रहे हैं। मैजबान श्रीलंका की टीम टॉस जीतकर पहले बैटिंग कर रही है। उसने लंच ब्रेक तक 29 ओवर में एक विकेट पर 138 रन बना लिए हैं। भारत-श्रीलंका पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। टीम मैनेजमेंट ने टेस्ट मैच को

देखते हुए ही गिल को वॉर्म-अप मैच में आराम देने का फैसला

आई। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार ने 5-5 ओवर में 14-14 रन दिए, जबकि प्रसिद्ध कुष्णा ने 27, रविंद्र जडेजा ने 29, कुलदीप यादव ने 23 और गुरनूर बरार ने 25 रन खर्च किए। तैयारियों के लिए अहम है वॉर्म-अप मैच- तीन दिन का यह वॉर्म-अप मैच भारत के लिए काफी अहम है। टेस्ट की सीरीज से पहले खिलाड़ियों को श्रीलंका की परिस्थितियों और स्पिन के अनुकूल ढलने का मौका मिलेगा। भारत ने अपना पिछला टेस्ट जून में खेला था। भारत फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में पांचवें स्थान पर है। फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए श्रीलंका के खिलाफ यह सीरीज टीम के लिए काफी अहम मानी जा रही है। कोचिंग स्टाफ और टीम में बदलाव-यह मुकाबला फील्डिंग कोच सुभादीप घोष के कार्यकाल का पहला मैच भी है। बीसीसीआई ने पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप और सहायक कोच रयान टेन डोशेट का अनुबंध आगे नहीं बढ़ाया था। बल्लेबाज साई सुदर्शन अभी बैंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चोट से उबर रहे हैं। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण इस दौर के हिस्सा नहीं हैं।

टीम इंडिया का नया नियम-10 मिनट में 2किमी दौड़ना जरूरी,1200 मीटर की दौड़ 5.20 मिनट में पूरी करनी होगी, फिटनेस लेवल सुधारने की पहल

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट पास करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो



गया है। आयरलैंड और इंग्लैंड दौर पर टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने फिटनेस पैरामीटर को ज्यादा चैलेंजिंग बनाने का फैसला किया है। भारतीय खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस साबित करने के लिए दो तरह के टेस्ट से गुजरना होता है। इनमें एक ब्रॉको टेस्ट और दूसरा 2 किलोमीटर की दौड़ है। ब्रॉको टेस्ट के लिए पहले 6 मिनट का समय मिलता था। अब इसे 5 मिनट 15 सेकेंड से लेकर 5 मिनट 20 सेकेंड में पूरा करना होगा। इसके ठीक बाद 2 किलोमीटर की दौड़ 9 से 10 मिनट में पूरी करनी होगी। ब्रॉको टेस्ट में पांच सेट होते हैं। हर सेट में खिलाड़ियों को 20 मीटर अप-डाउन, 40 मीटर अप-डाउन और 60 मीटर अप-डाउन की दौड़ लगानी होती है। यानी एक सेट में कुल 240 मीटर दौड़ना होता है। पुरे टेस्ट में इस तरह के पांच सेट लगाने होते हैं। सेट के बीच कोई ब्रेक नहीं होता। पहले पूरे टेस्ट के लिए 6 मिनट का समय था। अब इसमें 40 सेकेंड तक की कमी की गई है। ब्रॉको टेस्ट के अलावा खिलाड़ियों को 2 किलोमीटर की रनिंग भी करनी होती है। पहले यह सैंड अलोन टेस्ट था। यानी इसे ब्रॉको के साथ नहीं लिया जाता था। पुराने नियम के तहत फास्ट बॉलर्स को 8 मिनट 15 सेलेंड में 2 किलोमीटर दौड़ना होता था। बाकी खिलाड़ियों के लिए 8 मिनट 30 सेकेंड का समय निर्धारित था। अब 2 किलोमीटर की रनिंग ब्रॉको टेस्ट के ठीक बाद करनी होगी। समय में कुछ रियायत दी गई है। खिलाड़ी 2 किलोमीटर की दौड़ 9 से 10 मिनट में पूरी कर सकते हैं। दोनों टेस्ट बैंक टु बैंक होंगे, लिहाजा खिलाड़ियों के लिए यह पहले से ज्यादा



पिछले एक साल में फिटनेस टेस्ट के मानकों का सख्ती से पालन नहीं किया गया। कुछ सीनियर खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट में पास कराने के लिए

चैलेंजिंग है। ब्रॉको टेस्ट क्यो, अनफिट हर्षित-नीतीश को क्लियरेंस मिली थी - बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक, किया है। उन्हें साफ कहा गया है कि किसी भी खिलाड़ी के कद या स्टार स्टैटस की परवाह किए बिना फिटनेस में कमी दिखे तो उसकी तुरंत जानकारी दें। मैनेजमेंट का मानना है कि कई खिलाड़ियों की मैदान पर मोबिलिटी घटी है और लंबे समय तक बल्लेबाजी के दौरान सीनियर बल्लेबाजों को दौड़कर रन लेने में परेशानी हो रही है। बुमराह श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम मैनेजमेंट के बीच तालमेल की कमी भी सामने आई है। बुमराह को 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मैच तक फिट करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन सीओई ऐसा नहीं कर सका। वहीं सेंटरल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों को नए फिटनेस पैरामीटरों की जानकारी भी देर से मिली। मोहम्मद सिराज जब श्रीलंका दौर से पहले सीओई पहुंचे तो अचानक ब्रॉको

विमेंस एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच 5 सितंबर को, 28 अगस्त से शुरू होगा टूर्नामेंट, 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा

स्पोर्ट डेस्क। विमेंस एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच 5 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल



जाएगा। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने गुरुवार को टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी किया। टी-20 फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 अगस्त को होगी। पहला मुकाबला थाईलैंड और हांगकांग के बीच होगा। भारत-पाकिस्तान ग्रुप-ए में शामिल हैं। 8 टीमों हिस्सा ले रही, 13 सितंबर को फाइनल- यह विमेंस एशिया कप का छठा एडिशन होगा, जो टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में आठ टीमों हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत और पाकिस्तान के साथ

थाईलैंड, हांगकांग-चीन को रखा गया है। ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और इंडोनेशिया

दोनों ग्रुप से टॉप दो टीमों सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ही आयोजित किए जाएंगे। भारत सबसे ज्यादा 3 बार चैंपियन बनी- विमेंस एशिया कप के टी-20 फॉर्मेट में अब तक 5 टूर्नामेंट खेले गए हैं। इनमें भारत ने सबसे ज्यादा 3 बार खिताब जीता है। बांग्लादेश और श्रीलंका ने एक-एक बार टॉपी अपने नाम की। श्रीलंका मौजूदा चैंपियन है।

बटलर टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटमैन बने,पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ा, बोले-15 साल के वैभव सूर्यवंशी एक दिन इसे तोड़ेंगे

स्पोर्ट डेस्क। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर टी-20 क्रिकेट में सबसे

ने कहा था कि अगर वैभव को करियर के शुरुआती सालों में सही मार्गदर्शन मिला, तो वह



ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान कीरेन पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ दिया। बटलर के नाम अब 522 टी-20 मैचों में 14,833 रन हैं, जबकि पोलार्ड ने 746 मैचों में 14,803 रन बनाए हैं। बटलर ने यह उपलब्धि द इंड्रेड लीग में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए वेल्श फायर के खिलाफ हासिल की। उन्होंने 20 गेंदों में 51 रन की तेज पारी खेलकर पोलार्ड को पीछे छोड़ दिया। रिकॉर्ड बनाने के बाद बटलर का एक बयान भी चर्चा में रहा। उन्होंने कहा कि भारत के 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भविष्य में यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। बटलर बोले- वैभव मेरा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं-मैंच के बाद साई सोपटर्स से बातचीत में 34 साल के बटलर ने कहा, टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बनना शानदार एहसास है। लेकिन एक दिन कोई न कोई यह रिकॉर्ड जरूर तोड़ेगा। मुझे लगता है कि वह खिलाड़ी शायद भारत का वैभव सूर्यवंशी हो सकता है। रोबिन उथप्पा भी कर चुके हैं तारीफ- हाल ही में भारत के पूर्व बल्लेबाज रोबिन उथप्पा ने भी वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की थी। उथप्पा

व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर जैसा या उससे भी बड़ा प्रभाव छोड़ सकते हैं। खराब दौर से वापसी पर भी बोले बटलर- बटलर ने पिछले कुछ महीनों की अपनी खराब फॉर्म को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, क्रिकेट बहुत जल्दी बदलता है। कुछ महीने पहले मैं रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहा था, लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं अपने करियर की बेस्ट बल्लेबाजी कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, खराब दौर में आपके पास दो ही रास्ते होते हैं। या तो हार मान लें या फिर मेहनत जारी रखें। मैंने दूसरा रास्ता चुना और अपनी फॉर्म वापस पाने पर पूरा ध्यान दिया। पोलार्ड के सामने रिकॉर्ड तोड़ना चाहते थे-बटलर ने कहा कि उनकी इच्छा थी कि पोलार्ड की मौजूदगी में ही उनका रिकॉर्ड टूटे। पिछले मैच में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स का मुकाबला एमआई लंदन से था और पोलार्ड डगआउट में मौजूद थे, लेकिन तब वे रिकॉर्ड नहीं बना सके। उन्होंने कहा, अगर पोलार्ड के सामने ही यह रिकॉर्ड टूटता तो और भी खास होता। इस सूची में दुनिया के कई महान खिलाड़ियों के नाम हैं। उनके बीच सबसे ऊपर पहुंचना मेरे लिए गर्व की बात है।

55 साल में कितना बदला वनडे क्रिकेट:कलर जर्सी, क्या होगा और सुपर ओवर जैसे नियम बदले

स्पोर्ट डेस्क। वनडे क्रिकेट का 5000वां मैच शुक्रवार को स्कॉटलैंड और कनाडा के बीच खेला गया। इसे स्कॉटलैंड ने जीता। 5 जनवरी 1971 को बारिश से धुल एक टेस्ट मैच की भरपाई के लिए शुरू हुआ वनडे फॉर्मेट आज मैचों की संख्या के लिहाज से क्रिकेट का सबसे

बड़ा फॉर्मेट बन चुका है। इन 55 सालों में क्रिकेट के सबसे ज्यादा प्रयोग भी इसी फॉर्मेट में हुए। तीसरे अंपायर से लेकर डे-नाइट क्रिकेट, सफेद गेंद, पावरप्ले, डीआरएस, डीएलएस और सुपर ओवर तक लगभग हर बड़ा बदलाव सबसे पहले वनडे में ही लागू हुआ। रद

स्मोकिंग न करें-सिगरेट पीने से जल्दी सफेद होते बाल,ये 7 कारण भी जिम्मेदार, हेल्दी बालों के लिए 8 चीजें खाएं

नयी दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) वे 7 मुताबिक, दुनिया में हर साल



मौजूद मेलानिन बनाने वाली सेल्स प्रभावित होती हैं। मेलानिन कम बनने लगता है और बाल

प्रोटीन से भरपूर डाइट जरूरी है। केमिकल्स और हीट से बचें- बार-बार डाई, क्लीच या हीट स्टाइलिंग बालों को डैमेज कर सकती है। स्मोकिंग न करें- इससे प्रीमैच्योर ग्रेइंग का रिस्क बढ़ता है। हेल्दी बालों के लिए क्या करें? प्रोटीन रिच डाइट लें, आयरन, जिंक, बायोटिन लें। पर्याप्त पानी पिएं। रोज 7-9 घंटे की नींद लें। तनाव को कंट्रोल करें। रेगुलर एक्सरसाइज करें। स्कैल्प एकदम साफ रखें। हीट, केमिकल्स ट्रीटमेंट से बचें। सिगरेट, तंबाकू से दूर रहें। धूप, धूल, प्रदूषण से बचें। गीले बालों को रगड़ नहीं। किसी समस्या को इग्नोर न करें। प्रीमैच्योर ग्रेइंग से जुड़े कॉमन सवाल-जवाब- सवाल- क्या सफेद बाल फिर से काले हो सकते हैं? जवाब- आमतौर पर जो बाल पूरी तरह सफेद हो चुके हैं, वे दोबारा काले नहीं होते। अगर इसकी वजह विटामिन्स या मिनरल्स हैं तो ये फिर से काले हो सकते हैं। जैसेकि-विटामिन बी12 की कमी है। आयरन की कमी है। थायरॉइड प्रॉब्लम है। सवाल- क्या सफेद बाल उखाड़ने से ज्यादा सफेद बाल निकल आते हैं? जवाब- नहीं, यह एक मिथ है। एक सफेद बाल उखाड़ने से उसकी जगह कई नए सफेद बाल नहीं निकलते। एक हेडर सवाल- क्या सफेद बाल उखाड़ने से आमतौर पर एक ही बाल उगता है।हालांकि, बार-बार बाल उखाड़ने से हेयर फॉलिकल डैमेज हो सकते हैं, जिससे बाल जल्दी हो सकते हैं या उस जगह बाल उगना बंद हो सकता है। सवाल- अगर पेरेंट्स के बाल जल्दी सफेद हुए थे तो क्या बच्चों में भी ऐसा होगा? जवाब- हां, जेनेटिक्स प्रीमैच्योर ग्रेइंग की सबसे महत्वपूर्ण वजह है। यदि पेरेंट्स के बाल कम उम्र में सफेद हुए थे तो बच्चों के भी बाल जल्दी सफेद होने की आशंका बढ़ जाती है। हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि ऐसा हमारे बालों में होगा। डाइट, लाइफस्टाइल, हेल्थ और एनवायरनमेंटल फैक्टर्स भी भूमिका निभाते हैं। सवाल- क्या हेयर कलर लगाने से बाल जल्दी सफेद होते हैं? जवाब- ऐसा जरूरी नहीं है, क्योंकि हेयर कलर से मेलानिन प्रोडक्शन प्रभावित नहीं होता है। इसलिए सीधे तौर पर इसके कारण बाल जल्दी सफेद नहीं होते हैं।

सफेद होने लगते हैं। तनाव से ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे मेलानिन बनाने वाली सेल्स डैमेज हो सकती हैं। सवाल- क्या ज्यादा धूप में रहने से बाल सफेद हो सकते हैं? जवाब- हां, बहुत ज्यादा धूप (युवी रेज) के एक्सपोजर से बालों को नुकसान हो सकता है। युवी रेज ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ाती है, जिससे मेलानिन को नुकसान हो सकता है। हालांकि, आमतौर पर केवल धूप प्रीमैच्योर ग्रेइंग की मुख्य वजह नहीं होती है। जेनेटिक्स, न्यूट्रिशन की कमी और अन्य हेल्थ प्रॉब्लम्स ज्यादा बड़ी वजह हैं। सवाल- क्या खराब लाइफस्टाइल भी प्रीमैच्योर ग्रेइंग का रिस्क बढ़ा सकती है? जवाब- हां, खराब लाइफस्टाइल प्रीमैच्योर ग्रेइंग का रिस्क बढ़ा सकती है, जैसे- स्मोकिंग, नींद की कमी, अनहेल्दी डाइट, लगातार स्ट्रेस, लो फिजिकल एक्टिविटी, सवाल- क्या किसी बीमारी के कारण भी बाल सफेद हो सकते हैं?जवाब- हां, कुछ बीमारियों के कारण मेलानिन बनाने वाली सेल्स प्रभावित हो सकती हैं, जिससे बाल समय से पहले सफेद हो सकते हैं। जैसेकि- थायरॉइड डिसऑर्डर विटिलिगो (एक ऑटोइम्यून बीमारी, जिसमें त्वचा पर सफेद दाग हो जाते हैं।) अन्य ऑटोइम्यून कंडीशंस रेयर जेनेटिक प्रॉब्लम्स सवाल- बाल काले रखने के लिए डाइट में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- बाल काले और स्वस्थ रखने के लिए ऐसी चीजें खाएं, जो विटामिन बी12, आयरन, कॉपर, जिंक, फोलिक एसिड



और प्रोटीन से भरपूर हों। हेल्दी बालों के लिए क्या खाएं? दूध-दही, हरी सब्जियां, दालें, ड्राई फ्रूट्स, बीन्स, फाल, अंडे, मछली। सवाल- बाल काले रखने के लिए ओवरऑल लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- इसके लिए लाइफस्टाइल में ये जरूरी बदलाव करें- पर्याप्त नींद लें- रोज 7-9 घंटे की नींद शरीर की रिकवरी और सेल्स लिए जरूरी है।

स्ट्रेस मैनेज करें- योग, मेडिटेशन और डीप ब्रीदिंग से मदद मिलती है। रेगुलर एक्सरसाइज करें- व्हाट्सएप और ओवरऑल हेल्थ बेहतर रहती है। बैलेंस डाइट लें- बालों के लिए विटामिन्स, मिनरल्स और

हालांकि, बार-बार या गलत तरीके से हेयर कलर, क्लीच और केमिकल्स के इस्तेमाल से बाल सूखें, कमजोर या डैमेज हो सकते हैं। सवाल- बाल सफेद होने के साथ किन लक्षणों पर डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए? जवाब- डॉक्टर से कंसल्ट करें, अगर- कम उम्र में अचानक तेजी से बाल सफेद होने लगे। बाल सफेद होने के साथ बहुत झड़ रहे हों। प्रीमैच्योर ग्रेइंग के साथ बहुत थकान, कमजोरी लग रही हो।

वजन अचानक बढ़ या घट रहा हो। स्किन पर सफेद धब्बे भी दिखाई दें। उठ या गर्मी असामान्य रूप से ज्यादा लगे। फैमिली में थायरॉइड या ऑटोइम्यून डिजीज की हिस्ट्री हो।

50 ओवर फॉर्मेट का प्यूचर,डे-नाइट मैच

लिए आखिरी दिन 40-40 ओवर का एक सीमित ओवर मैच कराया गया। उस समय खिलाड़ियों ने सफेद कपड़े पहने थे और लाल गेंद से मैच खेला गया। तब किसी ने नहीं सोचा था कि यही क्रिकेट के सबसे लोकप्रिय फॉर्मेट्स में से एक की शुरुआत होगी। 25 साल तक वनडे का कोई

टेस्ट मैच से हुई थी वनडे की शुरुआत-पहला वनडे 5 जनवरी 1971 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेला गया था। इंग्लैंड दौर के तीसरा टेस्ट लगातार चार दिन बारिश में धुल गया था। दर्शकों को खाली हाथ लौटने से बचाने के

आज के बिशु और सूरज कल के वेलुसामी बन सकते हैं

‘गुड मॉर्निंग स्टूडेंट्स, आप सभी की तरह हर एडमिशन सीजन में हजारों स्टूडेंट्स अपने साथ किसी बैंकपैक से कहीं अधिक बड़ी चीज लेकर विश्वविद्यालयों में प्रवेश करते हैं।



कुछ अपने उन पैरेंट्स के सपने लाते हैं, जो कभी क्लास में गए ही नहीं। कुछ ऐसे परिवारों की उम्मीदें लाते हैं, जिनमें कभी किसी ने ग्रेजुएशन गाउन नहीं पहना। और कई ऐसे जिम्मेदारी के साथ आते हैं, जिसे उन्होंने कभी चुना ही नहीं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही है तो मेरी बात याद रखिएगा। आप मरज एक डिग्री शुरू नहीं कर रहे हैं। आप परिवार के इतिहास का एक नया चैप्टर शुरू कर रहे हैं।' इंदौर में गुरुवार सुबह मैंने अपना लेक्चर ऐसे ही शुरू किया। जब मैंने उनसे पूछा कि आपमें से कितने ऐसे हैं, जो परिवार में पहली बार यूजी कोर्स में दाखिला ले रहे हैं तो कई ने हाथ उठा दिए। तब मैंने एक ऐसे व्यक्ति की कहानी सुनाई, जिसका जन्म तमिलनाडु के नमक्कल जिले के एक छोटे किसान परिवार में हुआ था। इस परिवार के लिए जिंदगी जीना महत्वाकांक्षाओं से कहीं ज्यादा मायने रखता था। उनके पिता पहली कक्षा के बाद ड्रॉप-आउट हो गए थे। मां कभी स्कूल नहीं गईं। उन्हें नोट गिनने में भी मुश्किल होती थी। घर में किताबें दुर्लभ थीं। बिजली नहीं थी। कोई मार्गदर्शक नहीं था। परिवार में कोई भी ऐसा नहीं था, जो एलजेब्रा, फिजिक्स या करियर चॉइस के बारे में समझा सके, क्योंकि पहले उस राह पर कोई चला ही नहीं। वे बिना किसी कोचिंग और परिवार की सहायता के सरकारी स्कूल में पढ़े थे। जब वे मद्रास (अब चेन्नई) में एंट्रेंस एजाम देने गए तो शिक्षकों ने उनसे कहा कि सिर्फ परीक्षा पर ध्यान देना, दूसरों के कपड़ों पर नहीं। उन्होंने वैसा ही किया और लौट आए। कुछ हफ्तों बाद एक रात जब कैरोसिन लैंप बुझ गए तो उनकी मां ने कहा कि तुम्हारे लिए एक चिट्ठी आई थी, जिसे छत के नीचे बांस में खोसकर रखा है। उन्होंने पत्र खोला तो वह मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग का एडमिशन लैटर था। वर्षों बाद वही फर्स्ट-जनरेशन ग्रेजुएट आर. वेलुसामी ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी एंड प्रोडक्ट डेवलपमेंट के प्रेसिडेंट बने। आज वेलुसामी उन हजारों कर्मचारियों का नेतृत्व

डेमोग्राफी की अच्छी समझ के बिना हम समस्याएं नहीं सुलझा सकते

भारत जनसंख्या वृद्धि की चुनौती का ही सामना नहीं कर रहा, तेजी से बदलते जनसांख्यिकीय संतुलन की जटिल परिस्थितियों से भी गुजर रहा है। देश के सामने केवल यह प्रश्न नहीं है कि आबादी कितनी बढ़ रही है, बल्कि यह भी है कि आबादी की संरचना, वितरण, आयु-ग्रोफ़ाइल, प्रवासन-प्रवृत्तियाँ और संसाधनों पर उसका प्रभाव किस दिशा में जा रहा है। यही कारण है कि जस्टिस नावेलकर की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति को दूरदर्शी व समयानुकूल पहल माना जा रहा है। निःसंदेह समिति में प्रशासन, न्याय और नीति-निर्माण के क्षेत्र से जुड़े अनुभवी एवं विद्वान सदस्य सम्मिलित हैं। किंतु यदि इसमें प्रत्यक्ष रूप से डेमोग्राफी (जनसांख्यिकी) के विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाता, तो यह पहल और व्यापक तथा अकादमिक रूप से समृद्ध बन सकती है। जनसंख्या संतुलन जैसे विषय केवल

प्रशासनिक या राजनीतिक विमर्श तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे प्रजनन-संक्रमण, जनसंख्या-परिवर्तन, आयु-संरचना, प्रवासन-पैटर्न, निर्भरता-अनुपात, शहरीकरण प्रवृत्तियों तथा जनसंख्या-पूर्वांनुमान जैसे जटिल जनसांख्यिकीय आयामों से जुड़े होते हैं। इस परिवर्तनों को समझने के लिए गणितीय-मॉडलिंग, दीर्घकालिक डेटा-विश्लेषण और सांख्यिकीय प्रक्षेपण की विशेषज्ञता आवश्यक होती है। यदि रोजगार-सृजन, शहरी-नियोजन और संसाधनों के प्रबंधन में संतुलन नहीं बना, तो हमारा डेमोग्राफिक डिबैलेंड बेझ में भी परिवर्तित हो सकता है। इसी संदर्भ में अवैध प्रवासन का प्रश्न महत्वपूर्ण है। यह केवल आंतरिक या सीमा सुरक्षा का विषय नहीं है, बल्कि विकास, प्रशासन और संसाधन-प्रबंधन से भी सीधे जुड़ा हुआ मुद्दा है। सरकारें अपनी योजनाएं जनगणना, सर्वेक्षणों और पंजीकृत आबादी के आधार पर बनाती

स्वस्थ राजनीति वही है जिसमें सकारात्मकता पर फोकस हो

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पास भारत के लिए एक दृष्टि जरूर हो सकती है, लेकिन वो क्या है ये स्पष्ट



रूप से पता नहीं चलती। विपक्ष के नेता बनने के बाद दिए गए वक्तव्यों में उन्होंने भारत के बारे में अपनी सोच को स्पष्ट रूप से सामने नहीं रखा है। उन्होंने केवल उन बातों को दोहराया है, जो सर्वविदित हैं- बहुलतावाद, सहिष्णुता और समावेशिता। मसलन, राहुल गांधी की आर्थिक दृष्टि क्या है? 21वीं सदी के भारत वेकें लिए उनकी भू-राजनीतिक रूपरेखा क्या है? शिक्षा-व्यवस्था में सुधार के लिए उनके ठोस विचार क्या हैं? उनकी प्रेस वार्ताएं मुख्यतः संघ की आलोचना, उद्योगपतियों को कठघरे में खड़ा करने तथा ग्रेट निकोबार जैसी बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का विरोध करने पर केंद्रित रही हैं। लेकिन क्या राहुल ने श्रीहरिकोटा स्थित उस अंतरिक्ष केंद्र का दौरा किया है, जहां से इसरो अपने चंद्र मिशनों को लॉन्च करता है? क्या उन्होंने दर्जनों स्पेस-टेक स्टार्टअप्स से संवाद किया है? इनमें स्काईरूट एयरोस्पेस भी शामिल है, जिसने हाल ही में 350 किलो पेलोड वाले लो-अर्थ ऑर्बिट उपग्रहों के साथ विक्रम-1 रॉकेट का सफल प्रक्षेपण कर इतिहास रच दिया।वह पहले ही प्रयास में सफल रहा, जबकि स्पेसएक्स तक को पहले प्रक्षेपण में तीन बार विफलता का सामना करना पड़ा था। 18 जुलाई को स्काईरूट वेकें पहले सफल प्रक्षेपण के साथ भारत निजी क्षेत्र में उपग्रह प्रक्षेपण क्षमता रखने वाला अमेरिका और चीन के बाद तीसरा देश बन गया। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, एआई और चिकित्सा-उपकरण जैसे क्षेत्रों में हमारे युवा जो प्रगति कर रहे हैं, उसकी अनदेखी करके राहुल गांधी मूल मुद्दे से भटक रहे हैं। इनमें से कई इनोवेशन ऐसे हैं, जिनका हमारे दैनिक जीवन में उपयोग है और जिन पर गंभीर ध्यान, विमर्श और बहस की आवश्यकता है। भारत को ऐसे सशक्त विपक्षी नेता की जरूरत है, जो देश के लिए सकारात्मक दिशा प्रस्तुत कर सके, न कि जो स्वयं को केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रखे। हाल में हुए छात्र आंदोलनों में भी राहुल ने शिक्षा-व्यवस्था में सुधारों को लेकर कोई नया सुझाव नहीं दिया। नीट परीक्षा आयोजित करने वाली एनटीए में अरसे से लम्बित सुधारों की उम्ेक्षा के लिए तो सरकार को ही जवाबदेह

अभिमत

हैं।शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, खाद्य-सुरक्षा, पेयजल, रोजगार और सामाजिक-कल्याण से जुड़ी योजनाओं का पूरा ढांचा इसी अनुमानित जनसंख्या पर आधारित होता है। किंतु जब किसी क्षेत्र में बड़ी संख्या में अवैध आबादी जुड़ जाती है, तो वास्तविक मांग और सरकारी योजना में अंतर पैदा हो जाता है। संसाधनों का अनियोजित बँटवारा होने से अनेक योजनाएं अपने मूल उद्देश्यों को पूरी तरह प्राप्त नहीं कर पातीं। जब समिति का मूल विषय ही देश में जनसंख्या बढ़ावा से जुड़ी चुनौतियों का अध्ययन करके स्थायी समाधान और नीतिगत उपायों का सुझाव देना है तो उसमें जनसांख्यिकी विशेषज्ञों की प्रत्यक्ष भागीदारी क्यों नहीं है? भारत में इस क्षेत्र की विशेषज्ञता की विशेषज्ञताओं को शामिल किया जा रहा है। कोलकाता स्थित भारतीय सांख्यिकी संस्थान विश्वस्तरीय रिसर्च और जनसंख्या विश्लेषण के लिए जाना जाता है।

बात काम की-साइबर ठगों की सबसे बड़ी ताकत है हमारी चुप्पी और निष्क्रियता

हर दिन हजारों लोगों को साइबर ठगों के संदिग्ध फोन कॉल्स आते हैं या मैसेज और वॉट्सएप लिंक प्राप्त होते हैं। इनमें से अधिकांश लोग ठगी के शिकार नहीं बनते। वे या तो कॉल काट देते हैं या मैसेज को नजरअंदाज कर देते हैं। फिर भी अनुमानित तौर पर 5 प्रतिशत से कम लोग ही ठगी के ऐसे प्रयासों की शिकायत दर्ज कराते हैं। इसके कारण भी हैं। लोगों के पास समय की कमी होती है। कई लोगों को संस्थाओं

पर भरोसा नहीं होता। कुछ लोग नौकरशाही की उदासीनता या अधिकारियों के बेरुखे रहैये के अपने पुराने अनुभवों के कारण शिकायत करने से बचते हैं। लेकिन इसका नतीजा यह रहता है कि साइबर ठग का मोबाइल नंबर सक्रिय बना रहता है और वह नए-नए लोगों को निशाना बनाता रहता है। नागरिकों की यही चुप्पी अपराधियों की मदद करती है। यदि अधिक लोग ठगी के असफल प्रयासों की शिकायत दर्ज कराएं, तो इन साइबर ठगों के पूरे नेटवर्क को बहुत जल्दी कमजोर किया जा सकता है। लेकिन शिकायत दर्ज करना है कि शिकायत कहां करे और कैसे करे? अच्छी बात यह है कि अब शिकायत दर्ज करने के लिए किसी पुलिस थाने या सरकारी कार्यालय जाने की

आवश्यकता नहीं है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा विकसित



एक सरल मोबाइल एप्लिकेशन ‘संचार साथी’ के जरिये कोई भी नागरिक घर बैठे ही किसी संदिग्ध मोबाइल नंबर की शिकायत दर्ज करा सकता है। महज कुछ ही मिनटों में यह प्रक्रिया साइबर ठग के सिम कार्ड और जरूरत पड़ने पर उसके मोबाइल हैंडसेट को भी ब्लॉक करा सकती है। साइबर ठगी की तकनीकी प्रक्रिया को समझ लेने से भी लोग समय रहते सतर्क हो सकते हैं। कई मामलों में ठगी की शुरुआत किसी एपिके फाइल या ऐसे लिंक से होती है, जिसमें 21(10-अंकों का मोबाइल नंबर)क्ष प्रारूप वाला फ़ोन कोड फ़िपा होता है। जैसे ही आप उस फाइल को इंस्टॉल करते हैं या लिंक पर क्लिक करते हैं, आपका वॉट्सएप अकाउंट हैक हो सकता है या उस पर साइबर ठग का

नियंत्रण हो सकता है। इसके बाद कॉल फॉरवर्डिंग और

शिकायत प्रणाली के माध्यम से ‘माय अकाउंट हैज बीन हैकड’ विकल्प चुनकर इसकी सूचना देनी चाहिए। फ़ेसबुक अकाउंट प्रभावित होने पर उसकी आधिकारिक रिकवरी सुविधा और इंस्टाग्राम अकाउंट प्रभावित होने पर भी उसकी आधिकारिक शिकायत प्रणाली का उपयोग करना चाहिए। यह मान लेना गलत है कि केवल तकनीकी जानकारी न रखने वाले लोग ही साइबर अपराधों के शिकार बनते हैं। कोई उच्च शिक्षित व्यक्ति, कंप्यूटर इंजीनियर या नियमित रूप से साइबर सुरक्षा संबंधी सलाह का पालन करने वाला व्यक्ति भी

इसका शिकार हो सकता है। मानसिक थकान, तनाव, शारीरिक अस्वस्थता या साधारण-सी असावधानी कुछ समय के लिए व्यक्ति की सतर्कता को कम कर सकती है। ऐसे ही किसी कमजोर क्षण में कोई विश्वसनीय प्रतीत होने वाला फोन कॉल या मैसेज अपना काम कर जाता है। साइबर अपराधी हमारी चुप्पी पर निर्भर रहते हैं।जब ठगी के प्रयास से बच निकलने वाले लोग भी शिकायत दर्ज नहीं कराते, तो वही मोबाइल नंबर सक्रिय बने रहते हैं और नए-नए लोग उनका शिकार बनते रहते हैं। इससे बचें। सतर्क रहें। तुरंत रिपोर्ट करें। किसी भी समस्या के समाधान की शुरुआत यहीं से होती है। (ये लेखकों के अपने विचार हैं,रजनीश गुप्ता और विपुल अनेकांत)

मेडिकल इमरजेंसी का अंदाजा लगाना मुश्किल, लेकिन तैयार रहना आसान

इस सोमवार रात करीब 9 बजे जालंधर के उद्योगपति दीपक पुजारा अपने बैडमिंटन खेल के बीच में थे। बीते पांच वर्षों से वे उस शहर के कई लोगों की तरह

गोली देने के बाद सीपीआर जारी रखा। साथ ही वे स्टाफ की मदद से मेडिकल उपकरण और एम्बुलेंस की व्यवस्था में भी लगे रहे, ताकि जल्द अस्पताल पहुंचा



फिट रहने के लिए रायजादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम में कुछ घंटे खेल और मनोरंजन में बिताते थे। एक शॉट खेलते समय उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया और वे गिर पड़े। दूसरे कोर्ट पर खेल रहे उसी शहर के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नीतीश गर्ग उन्हें गिरता देखकर मदद के लिए दौड़े। उन्होंने कार्डियक मसाज दी, लेकिन दीपक ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि अस्पताल स्टेडियम से सिर्फ दो मिनट के ड्राइविंग डिस्टेंस पर था, लेकिन डॉ. गर्ग को लगा कि दीपक इतनी-सी दूरी तक भी नहीं जा सकेंगे। उन्होंने स्टेडियम की फर्स्ट-एड किट से एक इमरजेंसी

जा सके। जब स्टाफ दिल को बिजली का झटका देने वाला ज़ी वनरक्षक उपकरण ‘डिफिब्रिलेटर’ लाया तो उन्होंने झटका दिया और दिल धड़कने लगा। फिर दीपक को अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच में 90इ और 99इ के दो बड़े ब्लॉकज मिले, जिनमें स्टेंट डाले गए। सुना है कि कि दीपक अब ट्यूटमेंट के प्रति रespoन्ड कर रहे हैं और स्वस्थ हो रहे हैं। इससे मुझे 2018 में दीपावली के ठीक दूसरे दिन की एक घटना याद आ गई। उज्जैन के नानाखेड़ा स्थित महानंदानगर स्पोर्ट्स रिसन में कुछ डॉक्टर रिलैक्स होने के लिए बैडमिंटन खेल रहे थे। खेल के

मूंह की स्थिति बदल गई, तीसरी मैं वे आगे झुक गए और चौथी पड़ो में जमीन पर गिर गए। वहां मौजूद ऑस्ट्रेलिया के जाने-माने कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. निलेश मेहता ने स्थिति संभाली और उज्जैन के सीएचएल अस्पताल के तत्कालीन प्रमुख डॉ. निलेश शर्मा को भी मदद के लिए बुलाया गया। चूंकि वहां खेल रहे बहुत-से लोग डॉक्टर थे और जिन्हें हार्ट अटैक आया वे भी डॉक्टर थे, इसलिए तत्काल कार्रवाई से उनकी जान बच गई। फिर 2023 में जब मैं जलगांव स्थित जैन इरिगेशन गया तो वहां मैंने देखा कि उनका चिकित्सा विभाग सभी कर्मचारियों को एक

आप मेडिकल इमरजेंसी का अंदाजा तो नहीं लगा सकते, लेकिन उसके लिए तैयार रह सकते हैं। फंडा यह है कि एक अच्छा डॉक्टर दोस्त हमेशा बेहतर होता है, क्योंकि वह किसी भी स्वास्थ्य समस्या पर निम्न राय देता है। लेकिन वही डॉक्टर आपका स्पोर्ट्स पार्टनर भी हो तो यह दोनों हाथों में लड्डू होने जैसा है। एन. पुरुरामन

सबसे बड़ी धार्मिक पद यात्राओं में से एक कावड़ यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) **वरिष्ठ पत्रकार**, आज के इस आधुनिक युग में कावड़ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक पदयात्राओं में मानी जाती

है। कावड़ शब्द का जिक्र रामचरितमानस रामायण में मिलता है जिसमें श्री राम के पिता राजा दशरथ द्वारा गलती से श्रवण कुमार की हत्या हो जाती है। कावड़ असल में तराजू जैसी आकृति का एक नमूना होता है। कावड़ यात्रा भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती है। कंधों पर सुसज्जित कावड़, मुख पर बोल बम के उदघोष, हृदय में भगवान शिव के प्रति अपार स्नेह और भक्ति, असल में यही कावड़ यात्रा के वास्तविक स्वरूप को दर्शाता है। भारत में दो प्रकार की कावड़ यात्राएं होती हैं।दिल्ली से उत्तराखंड-गंगोत्री, हरिद्वार

बिहार और झारखंड व अन्य स्थानों में सुल्तानगंज से देवघर तक की कावड़ यात्रा पूर्ण की जाती है। इस यात्रा में सैकड़ों



हजारों लोग युवा से लेकर बुजुर्ग महिलाएं बच्चे सभी भाग लेते हैं। कंधों पर लटका पवित्र गंगाजल उस शिव को समर्पित होता है जिसे हम भोले, भोला, भोलेनाथ और भी कई नाम से जानते हैं। कावड़ यात्रा सिर्फ एक यात्रा नहीं है। कावड़ भारतीय संस्कृति की वह परंपरा है जो समानता का संदेश

भी देती है, कावड़ यात्रा में सभी चलने वाले एक रंग के कपड़ों में नजर आते हैं चारों तरफ भगवा ही भगवा नजर आता है जो कि हमारे भारत के सनातन संस्कृति का एक प्रतीक है। इस यात्रा में ना कोई बड़ा होता है ना छोटा ना कोई नीचा है ना ऊंचा न कोई पंडित ना कोई दलित बल्कि सब समान होते हैं, सभी के मन में सिर्फ एक आकाश होती है कि जल्द से जल्द यात्रा खत्म करके पवित्र गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना। वास्तव में यह कावड़ यात्रा शिव के प्रति आस्था के साथ-साथ एक मास का धार्मिक उत्सव भी है जो हमारी भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण धरोहर है, यह यात्रा कावड़ यात्रियों और हम सबको भाईचारा और एकजुटता का अनुभव कराती है। यात्रा

के दौरान भक्तों की भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य भी देखने को मिलता है जो भारतीय संस्कृति की विविधता और गहराई को दर्शाता है। कावड़ यात्रा भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं में निहित सिद्धांतों की पुनर्स्थापना है, कावड़ियों की इस यात्रा से हमें एक सबक जरूर सीखना चाहिए कि केवल अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करना ही धर्म नहीं देश की सांस्कृतिक धरोहर को संजो के रखना और इसे हमेशा प्रोत्साहित करते रहना समय-समय पर हमारे देश के युवाओं को यह बात समझना कि यह यात्रा हमारे भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जिसे हमें कभी खोना नहीं है इस धरोहर को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाते रहना है इस यात्रा में भारतीय संस्कृति की प्रकाश जुड़ी है। इस यात्रा को देखकर मुझे अपनी भारतीय संस्कृति पर गर्व होता है।

सीबीआई का दावा- महीनों पहले हुई नीट पेपर लीक साजिश, एनटीए एक्सपर्ट्स पेपर तैयार करते समय सवाल याद कर लेते थे, छात्रों तक वॉट्सएप-टेलीग्राम से पहुंचा

नयी दिल्ली। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक की साजिश परीक्षा से कई महीने पहले रची गई थी। एनटीए के एक्सपर्ट्स एनटीए एक्सपर्ट्स और बिचौलिए महीनों पहले से संपर्क में थे-सीबीआई चार्जशीट के मुताबिक, नीट पेपर लीक किसी और टेलीग्राम के जरिए छात्रों तक पहुंचा पेपर-पेपर सीधे छात्रों तक नहीं पहुंचता था, बल्कि एनटीए एक्सपर्ट्स पहले



ने पेपर तैयार करने के दौरान ही सवाल याद कर लिए थे। सीबीआई ने दिल्ली के राजज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल 94 पेज की चार्जशीट में यह दावा किया है। चार्जशीट 28 जुलाई को दाखिल की गई थी। इसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई। चार्जशीट के मुताबिक, एक्सपर्ट्स एनटीए ऑफिस से होटल लौटकर याद किए गए सवाल परियों पर लिखते थे। इसके बाद इन्हें बिचौलियों और कोचिंग नेटवर्क के जरिए छात्रों तक पहुंचाया जाता था। सीबीआई का दावा है कि लोक पेपर टेलीग्राम, वॉट्सएप, पीडीएफ और अन्य डिजिटल माध्यमों से भी फैलाए गए। सीबीआई ने इस मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इनमें एनटीए के तीन एक्सपर्ट्स भी शामिल हैं। एजेंसी का आरोप है कि तीनों ने पेपर तैयार करने और मॉडरेशन के दौरान अपने पद का दुरुपयोग कर पेपर लीक किए।

संसद में विपक्ष का प्रदर्शन, दोनों सदन सोमवार तक स्थगित:लोकसभा से एमएसएमई संशोधन बिल पास; मोदी की 45 नए सांसदों के साथ मीटिंग

नयी दिल्ली। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को भी संसद परिसर



में तेज बारिश के बीच राम मंदिर चढ़ावा चोरी और जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) एमएसएमई विधेयक 2026 ध्वनिमत से पास हुआ। दोनों सदन सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। राजसभा में विपक्षी सांसदों ने 'अमित शाह सदन में आओ' के नारे लगाए। इस पर केंद्रीय शक्ति किराने रिजिजु ने कहा कि शाह सुबह से रात तक संसद में ही रहते हैं। उन्होंने लोकसभा में कहा कि अमित शाह का नाम सुनते ही आतंकी कांप उठते हैं। वहीं, शुक्रवार को सुबह 9 बजे पीएम मोदी से उनके घर पर करीब 45 नए लोकसभा सांसदों ने नाश्ते पर मुलाकात की। नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपी) के जगदीश बसुनिया ने कहा- पीएम ने हमसे कहा कि हम सभी एनडीए परिवार का हिस्सा हैं। कांग्रेस ने लोकसभा में स्थगन

एक व्यक्ति की साजिश नहीं थी, बल्कि एनटीए एक्सपर्ट्स, प्राइवेट कोचिंग संचालकों, बिचौलियों और कुछ छात्रों की मिलीभगत थी। एजेंसी के अनुसार, कोचिंग संचालकों और बिचौलियों ने परीक्षा से कई महीने पहले ही एनटीए के तीनों एक्सपर्ट्स से संपर्क कर लिया था। इनके बीच लगातार बातचीत, मुलाकातों और पैसों के लेन-देन हुआ था। मनीषा गुरुनाथ मंधार, पीवी कुलकर्णी और मनीषा संजय हवलदार एनटीए ऑफिस होटल लौटकर सवाल कागज की परियों पर सवाल लिखते थे। इसके बाद एनसीआईआरटी की किताबों में संबंधित चैप्टर और पैराग्राफ मार्क किए जाते थे। एनटीए ऑफिस में एक्सपर्ट्स को रफ वर्क के लिए सादे कागज दिए जाते थे। पीवी कुलकर्णी ने इन कागजों पर 135 केमिस्ट्री सवाल और उसके ऑप्शन नोट किए। कुलकर्णी ने केमिस्ट्री पेपर का मराठी से अंग्रेजी में बैक-ट्रांसलेशन किया था। वॉट्सएप

बिचौलियों और प्राइवेट कोचिंग वालों को सवाल भेजते थे। बिचौलिए वॉट्सएप चैट, टेलीग्राम मैसेज, पीडीएफ और फोटो के जरिए छात्रों को पेपर भेजते थे। प्राइवेट कोचिंग में छात्रों से लोक सवाल हाथ से लिखवाए जाते थे। सीबीआई को तलाशी के दौरान ऐसी कई हाथ से लिखी कॉपियां मिली हैं। एजेंसी के मुताबिक, यह तरीका डिजिटल सबूत छेड़ने से बचने के लिए अपनया गया था। फोरेंसिक जांच में मिले डिजिटल सबूतों से पूरे नेटवर्क की पुष्टि हुई। मनीषा संजय वाघमारे, धनंजय लोखंडे, शुभम मधुकर खैरनार और यश यादव इस नेटवर्क की अहम कड़ी थे, जो लोक पेपर आगे छात्रों तक पहुंचाते थे। सीबीआई के अनुसार यह पूरा घटनाक्रम 2025 के आखिर और 2026 की शुरुआत में हुआ था। चार्जशीट में कोचिंग संचालक और डॉक्टर भी आरोपी-सीबीआई ने चार्जशीट में डॉ. अभिग प्रभु

मेडिकल एवेडमी, पुणे के सीओओ तेजस हर्षदकुमार शाह, रेणुकाई करियर सेंटर के मैनेजिंग पार्टनर शिवराज मोटेगांवकर और सिद्धिविनायक हॉस्पिटल के मालिक डॉ. मनोज भगवानराव शिरुरे को भी साजिश का हिस्सा बताया है। जांच के मुताबिक, इन लोगों ने एनटीए के बाहर पूरे नेटवर्क का संचालन किया और लोक पेपर छात्रों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। सीबीआई के मुताबिक, पेपर लीक का मकसद अवैध कमाई और कुछ कोचिंग संस्थानों के रिजल्ट बेहतर दिखाना था।

सीबीआई ने 13 आरोपियों के बैंक खाते-लॉकर फ्रीज किए-चार्जशीट में कहा गया है कि एक आरोपी ने लोक पेपर मिलने के बाद अपने सर्टिफिकेट्स और साइन किया हुआ खाली चेक भी सिक्वोरिटी के तौर पर दिया था। एजेंसी का दावा है कि इससे साफ होता है कि यह पूरी तरह पैसों का सौदा था। सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, सबूत मिटाने, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत मामला दर्ज किया है। एजेंसी ने आरोपियों के बैंक खाते, बैंक लॉकर और एक डीमैट अकाउंट भी फ्रीज किए हैं। तीनों एनटीए एक्सपर्ट्स को आजीवन कारावास की सजा हो सकती है-सीबीआई ने तीनों एनटीए एक्सपर्ट्स पर लोक सेवक के तौर पर भरोसा तोड़ने, पेपर लीक और भ्रष्टाचार समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस की धारा 316(5) के तहत दोषी साबित होने पर आजीवन कारावास या 10 साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है। लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 की धारा 11 के तहत दोष साबित होने पर 7 से 10 साल की जेल और कम से कम 10 करोड़ रुपये जुर्माने का प्रवधान है। पेपर लीक के बाद दोबारा परीक्षा हुई... जानें पूरा विवाद- नीट-यूजी 2026 परीक्षा 3 मई 2026 को हुई थी। पेपर लीक के आरोपों के बाद सरकार और एनटीए ने परीक्षा रद्द कर दी। 21 जुन को दोबारा परीक्षा कराई थी। इस दौरान देश भर में 20 से ज्यादा छात्रों ने सुसाइड किया था।

40 साल बाद बोफोर्स केस बंद, आखिरी याचिका खारिज, घोटाळे के आरोप से राजीव गांधी 1989 का चुनाव हारे थे

नयी दिल्ली। कमीशन का आरोप था, लेकिन यह साबित नहीं हो सका कि जो पैसा मिला, वह सीधेतीर पर इस डील से जुड़ा था या किसी आरोपी तक पहुंचा। देरी से केस कमजोर हुआ- जांच और कानूनी प्रक्रिया में सालों की देरी हुई। इससे न सिर्फ सबूत कमजोर पड़े, बल्कि कई अहम गवाह और आरोपी भी समय के साथ उपलब्ध नहीं रहे। इससे वेकस की विश्वसनीयता पर असर पड़ा। केस बंद होने से पहले सीबीआई की आखिरी कोशिश-सुप्रीम कोर्ट के फौसले से पहले तक भी सीबीआई इस मामले में कुछ नई जानकारीयें ढूंढने में लगी हुई थी। एजेंसी ने अमेरिका के माइकल हर्शमैन से जुड़ी जानकारी पाने की कोशिश की। हर्शमैन ने 2017 में कहा था कि बोफोर्स डील की जांच को उस समय की सरकार ने प्रभावित किया था और वो खुद इस मामले में मदद करना चाहते थे। लेकिन जब सीबीआई ने उनसे जुड़े कागज और रिकॉर्ड मांगे तो कुछ खास हाथ नहीं लगा। एजेंसी ने इंटरपोल और अमेरिका के अधिकारियों को कई बार चिट्ठियां भी भेजीं, लेकिन वहां से भी कोई ठोस जवाब नहीं मिला। आखिर में सीबीआई को 2025 में कोर्ट के जरिए 'लेटर रोगेटरी' भेजकर अमेरिका से मदद मांगनी पड़ी। कोर्ट ने भी माना था कि हर्शमैन के दावों की सच्चाई जानने के लिए विदेश में जांच जरूरी है। जब सीबीआई को किसी केस में विदेश से सबूत चाहिए होते हैं तो एजेंसी अदालत के जरिए दूसरे देश से मदद मांगने के लिए आधिकारिक चिट्ठी भेजती है। सीबीआई पर भी उठे सवाल-इस मामले में जांच एजेंसी सीबीआई की भूमिका भी सवाल में रही।

केंद्र का हलफनामा- एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू नहीं, सुप्रीम कोर्ट से कहा- यह सिद्धांत सिर्फ ओबीसी और एसईबीसी पर लागू; याचिकाएं खारिज की जाए

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि अनुसूचित जाति (एससी) और



अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं होता। सरकार ने उन जनहित याचिकाओं (पीआईएल) का विरोध किया है, जिनमें एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने और सरकारी नौकरियों में अधिक न्यायसंगत आरक्षण नीति बनाने की मांग की गई है। केंद्र ने कहा कि याचिकाओं में संविधान के तहत किसी मौलिक अधिकार के उल्लंघन का जिक्र नहीं है। साथ ही, मौजूदा कानून में कहीं भी यह प्रावधान नहीं है कि क्रीमी लेयर का नियम एससी-एसटी पर लागू होता है। सरकार के मुताबिक, यह अवधारणा सिर्फ ओबीसी और एसईबीसी आरक्षण से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 11 अगस्त को रमाशंकर प्रजापति और अन्य की जनहित याचिकाओं पर केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया था। याचिका में कहा गया कि अगर किसी एससी-एसटी परिवार का सदस्य पहले ही संवैधानिक या वरिष्ठ सरकारी पद हासिल कर चुका है, तो उसके बच्चों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इससे आरक्षण का फायदा आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों तक ज्यादा समान रूप से पहुंच सकेगा। याचिकाकर्ताओं ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को उप-श्रेणी (सब-कैटेगरी) बनाकर उन्हें प्रवेश और सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देने की भी मांग की है। केंद्र ने कहा-सिर्फ संसद को एससी-एसटी सूची में बदलाव का अधिकार-सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि एससी और एसटी की सूची में किसी भी तरह का बदलाव केवल संसद ही कर सकती है।

सिर्फ संसद के पास है। केंद्र ने यह भी कहा कि याचिका स्थापित कानून की अनदेखी करती है। सरकार ने इंदिरा साहनी (मंडल आयोग) मामले का हवाला देते हुए कहा कि एससी-एसटी और ओबीसी की पहचान ऐतिहासिक, सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर होती है, सिर्फ आर्थिक स्थिति के आधार पर नहीं। सरकार बोली-कल्याणकारी योजनाओं में पहले से आय सीमा लागू करने के लिए चलाई जा रही अधिकांश कल्याणकारी योजनाओं में पहले से आय सीमा लागू है, ताकि योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। सरकार ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किन योजनाओं में बदलाव की जरूरत है और इससे गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) रहने वाले लोगों को कैसे फायदा होगा। एससी ने पूछा था- आईएसएफ अफसरों के बच्चों को आरक्षण क्यों? सुप्रीम कोर्ट ने 22 मई में ओबीसी आरक्षण से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सवाल उठाया था कि अगर माता-पिता दोनों आईएसएफ अधिकारी हैं, तो उनके बच्चों को आरक्षण का लाभ क्यों मिलना चाहिए?

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा था कि जब शिक्षा और आर्थिक तत्त्वकी से सामाजिक स्थिति बेहतर हो जाती है, तो अगली पीढ़ी को भी लगातार आरक्षण देने की जरूरत पर विचार होना चाहिए। यह टिप्पणी कर्नाटक के एक ओबीसी उम्मीदवार के मामले की सुनवाई के दौरान आई थी, जिसे क्रीमी लेयर में आने के कारण आरक्षण का लाभ नहीं मिला था।

झारखंड में अनशनकारी छात्र की तबीयत बिगड़ी:बोले- जेपीएससी परीक्षा रद्द हो, राहुल गांधी ने प्रदर्शनकारियों से बात की, कहा- कांग्रेस आपके साथ

रांची। झारखंड में परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ 4 दिन से अनशन पर बैठे आंदोलनकारी राहुल क्रांति की शुक्रवार सुबह तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें जयपाल सिंह मुंडा स्ट्रेडियस से रांची सदर अस्पताल ले जाया गया है। इनकी मांग है कि जेपीएससी परीक्षा रद्द की जाए। देवेंद्र नाथ समेत 6 आंदोलनकारी भूख हड़ताल पर हैं। उधर, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार रात अनशन पर बैठे छात्र नेता रविंद्र पासवान से फोन पर बात की। उन्होंने छात्रों से कहा कि कांग्रेस आपके साथ हैं। वहीं, आइसा समेत 2 छात्र संगठनों ने ऐलान किया है कि वे दिन में विधानसभा मार्ग निकालेंगे। विधानसभा का सत्र फिलहाल जारी है। बाबूलाल मरांडी ने आज सदन में छात्रों के आंदोलन का मुद्दा उठाया और कहा कि सरकार को बातचीत करनी चाहिए। देर रात पहुंचे एसडीएम, बातचीत में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार रात अनशन पर बैठे छात्र नेता रविंद्र पासवान से फोन पर बात की। उन्होंने आंदोलन को समर्थन देने की बात की। इससे पहले उन्होंने वीडियो संदेश जारी कर लोगों से छात्रों का सपोर्ट



भी हैं। करीब 45 मिनट तक चली बैठक आखिरकार बेनतीजा रही और अधिकारी वापस लौट गए। राहुल गांधी ने कहा- कांग्रेस आंदोलनकारियों के साथ-लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार रात अनशन पर बैठे छात्र नेता रविंद्र पासवान से फोन पर बात की। उन्होंने आंदोलन को समर्थन देने की बात की। इससे पहले उन्होंने वीडियो संदेश जारी कर लोगों से छात्रों का सपोर्ट

बद्रीनाथ-गंगोत्री-यमुनोत्री हाईवे बंद, उत्तराखंड में 6 नदियां उफान पर, यूपी में 30 गांवों में बाढ़, दिल्ली में युवक नाले में बहा

नयी दिल्ली। उत्तराखंड में लगातार बारिश से अलकनंदा, मंदाकिनी, भागीरथी समेत छह नदियां खतरे के स्तर पर बह रही हैं। हरिद्वार-ऋषिकेश में घाट



और मंदिर डूब गए हैं। रुद्रप्रयाग में स्कूल बंद हैं। राज्य की 132 सड़कें और बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री नेशनल हाईवे बंद किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई।

33 गांवों और 40 सरकारी स्कूलों में बाढ़ का पानी घुस गया। बलिया में एक हफ्ते में 27 घर सरयू नदी में समा चुके हैं। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को तेज बारिश हुई। जलभराव के कारण दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर समेत कई सड़कों पर जाम लग गया। द्वारका सेक्टर-25 में तेज बारिश के दौरान एक युवक खुले नाले में गिरकर तेज बहाव में बह गया। 7 घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाया, लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं मिला। असम: बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 97 हुई-असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। दो और लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या 97 हो गई है।

राज्य के 15 जिलों में 1.68 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, जबकि गोलाघाट, शिवसागर और जोरहाट सबसे ज्यादा प्रभावित जिले हैं। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में लगातार तेज बारिश के बाद अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।

जिला प्रशासन ने लाउडस्पीकर के जरिए लोगों से नदी किनारों से दूर रहने की अपील की है। पुडुचेरी में मेट्रोपालयम लॉरी टर्मिनल के पास तेज बारिश के कारण दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए प्रशासन और स्थानीय लोग मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं। मुख्यमंत्री एन रंगासामी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में एक घंटे से ज्यादा देर तक तेज बारिश हुई, जिससे कई सड़कें और निचले इलाकों में पानी

भर गया। शहर में ट्रैफिक जाम लग गया। मध्य प्रदेश के 55 में से 48 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं। यहां मानसून में अब तक औसत से 46फीसदी तक कम



बारिश हुई है। ऐसे में न सिर्फ डैम-तालाब खाली हैं बल्कि फसलों पर भी असर पड़ रहा है। जबलपुर में धान के खेतों में दरारें पड़ गई हैं तो उज्जैन संभाग में सोयाबीन की फसल में इल्ली का असर है।

मौसम विभाग ने आज 15 जिलों के लिए बारिश, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। बक्सर समेत 5 जिलों में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं, 10 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें 18 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है।

33 गांवों और 40 सरकारी स्कूलों में बाढ़ का पानी घुस गया। राजस्थान में तेज बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को 5 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। जयपुर में देर रात शुरू हुआ बारिश को दौर आज सुबह भी जारी है।

भरतपुर, धौलपुर, करौली और अलवर में 8 इंच तक बरसात दर्ज की गई। हिमाचल प्रदेश के ज्यादातर भागों में मानसून धीमा पड़ा है।

राज्य के 9 जिलों में बीते एक सप्ताह के दौरान सामान्य से कम बारिश हुई है। वहीं तीन जिलों में नॉर्मल से दोगुना ज्यादा बाढ़ बरसे है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक उत्तर छत्तीसगढ़ के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है।

हालांकि 8 अगस्त के बाद प्रदेश में बारिश की तीव्रता और इसका दायरा धीरे-धीरे कम होने के आसार हैं।

उत्तराखंड के कई जिलों में पिछले दो दिनों से लगातार तेज बारिश हो रही है। रुद्रप्रयाग में 12वीं तक के स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

वहीं, 10 जिलों की 132 सड़कें बंद हैं। उत्तरकाशी के स्थानाचट्टी में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से 4-5 हॉटलों में पानी भर गया।

झारखंड में अनशनकारी छात्र की तबीयत बिगड़ी:बोले- जेपीएससी परीक्षा रद्द हो, राहुल गांधी ने प्रदर्शनकारियों से बात की, कहा- कांग्रेस आपके साथ

है, हमारे अधिकारों की हत्या है।' 6 दिनों से अनशन कर रहे छात्र नेता देवेंद्रनाथ ने कहा, 'सरकार को हमारी चिंता नहीं है। 3 दिन से बस बातचीत का माहौल बनाया जा रहा है।' देश की आजादी में इतने लोग शहीद हुए तो हमें लगता है कि यदि जेपीएससी-जेएसएससी के सुधार के लिए कुर्बानी के रास्ते पर भी जाना पड़े तो ये गलत नहीं है। हम मिलकर एक ऐसी व्यवस्था बनाएंगे जिसमें धांधली और पेपर लीक नामुमकिन हो। मास्टरमाइंड से लगातार 10 दिनों तक पूछताछ-जेपीएससी परीक्षा में गंभीर और अनियमितता की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है। सीआईडी के सामने फर्जीवाड़े के बड़े सिंडिकेट की परतें खुलती जा रही हैं।मामले में सीआईडी अब तक 19 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जांच के दौरान मास्टरमाइंड अभय तिवारी से लगातार 10 दिनों तक पूछताछ की गई। सूत्रों के अनुसार, अभय तिवारी ने बताया कि परीक्षा में सफलता दिलाने के नाम पर प्रत्येक अभ्यर्थी से 40 से 60 लाख रुपए तक की डील होती थी। इस रकम में ऊपर से नीचे तक जुड़े लोगों का हिस्सा पहले से तय रहता था।

असम बाढ़ पीड़ितों के 500 घर बनवाएंगे सलमान खान,एक्टर रणदीप हुड्डा भी राहत कार्य में लगे, भूमि पेडनेकर ने प्रभावित इलाकों में पहुंचकर बांटा सामान

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए एनजीओ ग्लोबल सिस्स के साथ

का फैसला किया। एक घर की लागत 35 से 40 हजार रुपए-रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रणदीप हुड्डा

प्रभावित लोगों के साथ खड़ी हैं। रणदीप हुड्डा बोले- मानवता सबसे ऊपर-वहीं, अभिनेता रणदीप हुड्डा भी लगातार राहत कार्यों में सक्रिय हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि शिवसागर रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में बाढ़ प्रभावित परिवार शरण लिए हुए हैं। रणदीप ने कहा, 'हम पिछले सात दिनों से लगातार प्रभावित लोगों के लिए खाना तैयार कर रहे हैं और उन्हें पहुंचा रहे हैं। मानवता सबसे ऊपर है। मैं कई सालों से ग्लोबल सिस्स के साथ काम कर रहा हूँ और उन्होंने जमीनी स्तर पर शानदार काम किया है। मैं सभी लोगों से अपील करूंगा कि वे अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की मदद करें। जहां भी कोई संकट हो, वहां लोगों की सहायता करना हमारा कर्तव्य है।' बॉलीवुड सेलेब्स ने की मदद की अपील-बॉलीवुड सेलेब्स एक बार फिर 2026 में असम में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद

हाथ मिलाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान ने बाढ़ से बेघर हुए लोगों के लिए 500 सेमी-पर्मनेंट घर बनवाने का फैसला लिया है। रणदीप हुड्डा पहले ही राहत कार्य में जुटे हैं, जिसके बाद अब एक्टर भूमि पेडनेकर भी जरूरत का सामान लेकर प्रभावित इलाकों में पहुंची हैं। सलमान की संस्था बीईंग ह्यूमन इससे पहले भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में जरूरतमंदों तक भोजन और राहत सामग्री पहुंचाने में सहयोग कर चुकी है। अब राहत अभियान के दूसरे चरण में प्रभावित परिवारों के स्थायी पुनर्वास पर फोकस किया जा रहा है। अब तक 220 सेमी-पर्मनेंट घर तैयार-मिड-डे की रिपोर्ट के अनुसार, असम के सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में शामिल शिवसागर जिले के नेपाली खुटी गांव में अब तक करीब 220 सेमी-पर्मनेंट घर बनाए जा चुके हैं। ये घर बांस और टिन की छत से तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पुनर्वास की योजना पहले से ही एनजीओ

ने सलमान को ग्लोबल सिस्स के राहत अभियान की जानकारी दी, जिसमें करीब 70 स्वयंसेवक काम कर रहे हैं। इसके बाद संस्था के संस्थापक अमरप्रीत सिंह ने सलमान को बताया कि प्रत्येक सेमी-पर्मनेंट घर बनाने में 35 हजार से 40 हजार रुपए का खर्च आता है। इसके बाद



सलमान खान ने संस्था के साथ मिलकर 500 घरों के निर्माण का फैसला लिया। अमरप्रीत सिंह बोले- सलमान ने कहा, 'आप लोग चिंता मत करो' -राहत अभियान को लेकर अमरप्रीत सिंह ने मिड-डे से बातचीत में कहा, 'सलमान खान ने कुछ दिन पहले हमसे बात की थी और कहा- आप लोग चिंता मत करो। 220 घर तैयार हो चुके हैं और इन्हें प्रभावित परिवारों को सौंपा जा रहा है। हमारी टीम एक दिन में आठ से दस घर बना सकती है। भूमि पेडनेकर ने पीड़ितों से मिलकर बांटा जरूरत का सामान-भारत डिजास्टर रिलीफ फाउंडेशन के साथ मिलकर भूमि पेडनेकर असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचीं। वहां उन्होंने बाढ़ से प्रभावित लोगों और उनके परिवारों से मुलाकात की और उनकी परेशानियां सुनीं। भूमि ने जरूरतमंद परिवारों को राहत का सामान भी बांटा और लोगों के साथ समय बिताकर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में वह

के लिए आगे आए हैं। एक्टर स आलिया भट्ट, भूमि पेडनेकर, सिंगर गुरु रंधावा और एक्टर राशि खन्ना ने लोगों से बाढ़ पीड़ितों की सहायता करने की अपील की है। आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया से लिखा था, इस समय हमारे देश के कई हिस्से भीषण बाढ़ से जूझ रहे हैं। इनमें असम सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक है, जो बेहद कठिन दौर से गुजर रहा है। 60 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। यह हर साल होता है, फिर भी हर बार हम इसके लिए तैयार नहीं होते।

असम को इस समय तुरंत मदद की जरूरत है और आने वाले लंबे समय तक पुनर्वास के लिए भी लगातार सहयोग की आवश्यकता होगी। अगर आप सोच रहे हैं कि आप किस तरह मदद कर सकते हैं, तो अगले कुछ दिनों में मैं उन तरीकों को साझा करूंगी जिनके जरिए हम जमीनी स्तर पर काम कर रहे संगठनों के माध्यम से राहत कार्यों में सहयोग कर सकते हैं।

असम को इस समय तुरंत मदद की जरूरत है और आने वाले लंबे समय तक पुनर्वास के लिए भी लगातार सहयोग की आवश्यकता होगी। अगर आप सोच रहे हैं कि आप किस तरह मदद कर सकते हैं, तो अगले कुछ दिनों में मैं उन तरीकों को साझा करूंगी जिनके जरिए हम जमीनी स्तर पर काम कर रहे संगठनों के माध्यम से राहत कार्यों में सहयोग कर सकते हैं।

सुभिता ने बताया कि उनकी बेटी पढ़ाई में अच्छी थी, इसलिए उन्होंने उसे ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भेजने का फैसला किया। हालांकि उनके पति इसके पक्ष में नहीं थे, लेकिन उन्होंने

सुभिता ने बताया कि उनकी बेटी पढ़ाई में अच्छी थी, इसलिए उन्होंने उसे ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भेजने का फैसला किया। हालांकि उनके पति इसके पक्ष में नहीं थे, लेकिन उन्होंने

सुभिता ने बताया कि उनकी बेटी पढ़ाई में अच्छी थी, इसलिए उन्होंने उसे ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भेजने का फैसला किया। हालांकि उनके पति इसके पक्ष में नहीं थे, लेकिन उन्होंने

सुभिता ने बताया कि उनकी बेटी पढ़ाई में अच्छी थी, इसलिए उन्होंने उसे ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भेजने का फैसला किया। हालांकि उनके पति इसके पक्ष में नहीं थे, लेकिन उन्होंने



के राहत अभियान का हिस्सा थी। हालांकि, जब सलमान खान ने अभिनेता रणदीप हुड्डा को मौके पर राहत कार्य करते देखा, तो उन्होंने इस अभियान से जुड़ने

सुभिता मुखर्जी बोलीं- मजबूरी में आत्मा बेची, बुरा लगता है,सी-ग्रेड फिल्में करने पर अफसोस जताया

मुंबई। कोलकाता में जन्मी एक्टर सुभिता मुखर्जी ने अपने करियर के उस दौर को याद किया है, जब उन्हें मजबूरी में सी-ग्रेड फिल्मों में काम करना पड़ा था। फिलहाल 'जगन्नाथ और



पूर्वी की दोस्ती अनोखी' सीरियल में नजर आ रही सुभिता ने एक इमोशनल वीडियो में अपने संघर्षों पर खुलकर बात की है। मजबूरी में लिए थे गलत फैसले-सुभिता ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो जारी कर कहा कि उन फिल्मों में काम करना उनके लिए बेहद परेशान करने वाला था, जो महिलाओं का अपमान करती थीं। उन्होंने कहा, 'भगवान का शुक्र है कि मैंने सिर्फ खराब फिल्में चुनी थीं, पोर्नोग्राफी नहीं की। क्या मैंने अपनी आत्मा बेच दी? हां, मैंने अपनी आत्मा बेच दी। मुझे तब भी अच्छा नहीं लगा था और अब भी नहीं लगता, लेकिन यह मेरी मजबूरी थी।' 2002 में दिवालिया हो गई थी प्रोडक्शन कंपनी-एक्टर ने बताया कि 1983 में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से पासआउट

हो गया था। उस समय टेक्नोलॉजी के नए दौर और एंजेल इन्वेस्टमेंट की जानकारी न होने के कारण उनकी कंपनी के साथ-साथ ट्रैक सिनेमा और अनिल चौधरी प्रोडक्शन भी दिवालिया हो गए थे। रिकवरी वाले घर आकर देते थे गालियां-सुभिता ने बताया कि वह समय बहुत बुरा था। कर्ज देने वाले और रिकवरी एजेंट उनके घर आते थे और गालियां देते थे। उस वक्त उनके बच्चे बहुत छोटे थे, इसलिए उन्हें कर्ज चुकाने के लिए हर तरह का काम करना पड़ा। उन्होंने और उनके पति ने तीन-चार साल तक कड़ी मेहनत की ताकि वे एक करोड़ का कर्ज चुका सकें। बेटी की पढ़ाई के लिए भी थी पैसों की जरूरत-आर्थिक दबाव का एक बड़ा कारण उनकी बेटी की पढ़ाई भी थी।

स्क्रीनिंग में कुत्ते ने किया रवीना टंडन पर हमला,बाद में कहा- उसने मुझ पर हमला नहीं किया

मुंबई। मुंबई में हुई फिल्म 'ओह माय डॉग' की स्पेशल

कहने पर सोलो फोटो खिंचवाने के लिए खड़ी हुई, तो कुत्ता उनके

पर एक और कुत्ते को आते देख वह कुत्ता उत्साहित हो गया था



स्क्रीनिंग के दौरान एक्टर रवीना टंडन पर एक कुत्ता झपट पड़ा। एक्टर ने सही समय पर हाथ हटा दिया, जिससे उनका कपड़ा कुत्ते के मुंह में फंस गया। इस दौरान एक्टर के रिएक्शन की जमकर सराहना हो रही है। रवीना ने काफी संयम दिखाया और घबराई नहीं। रेड कार्पेट पर कुत्ते के साथ कर रही थीं बातचीत-रवीना टंडन फिल्म को सपोर्ट करने के लिए रेड कार्पेट पर पहुंची थीं। वहां मौजूद कुत्तों के साथ वह काफी गर्मजोशी से बातचीत करती नजर आई। एक्टर नीचे बैठकर कुत्ते को दुलार रही थीं और पैपराजी के लिए पोज भी दे रही थीं। कपड़े के धागे को देखकर कुत्ता हुआ उत्साहित-जब रवीना पैपराजी के

पीले रंग के आउटफिट की आस्तीन और लटकते धागे की ओर आकर्षित हो गया। कुत्ता अचानक जोर-जोर से भौकते हुए उनके हाथ पर झपट पड़ा। रवीना ने नहीं खोया आपा-कुत्ते के झपटने और आस्तीन के धागे को खींचे जाने के बावजूद रवीना ने न तो घबराहट दिखाई और न ही झटके से खुद को दूर किया। वह शांत बनी रहीं और हैंडलर्स को कुत्ते पर काबू पाने का मौका दिया। स्थिति सामान्य होने के बाद रवीना ने फिर से कुत्ते को प्यार से थपथपाया। रवीना बोलीं- हमला नहीं किया था-बाद में पैपराजी से बात करते हुए रवीना ने साफ किया कि कुत्ते ने उन पर हमला नहीं किया था। एक्टर के अनुसार, रेड कार्पेट

और उसी स्थिति पर प्रतिक्रिया दे रहा था, न कि उन्हें नुकसान पहुंचा रहा था। मलाइका अरोड़ा ने कुत्ते को हटाने पर की थी खेसारी लाल यादव वही आलोचना-कुछ दिनों पहले ही खेसारी लाल यादव का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें रेड कार्पेट पर पोज देने पहुंचे एक्टर का सामना एक कुत्ते से हुआ।

तस्वीरें क्लिक करने के लिए रेड कार्पेट से कुत्ते को खींचकर हटाया गया था। वीडियो सामने आने के बाद मलाइका भड़क गईं। उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा था,

'ये लोग हैं कौन और ये आदमी कौन है, जो खड़ा होकर पोज दे रहा है। वाहियात।'

पेपर लीक की जड़ तक पहुंचना होगा,हिमांश कोहली बोले- सोनम वांगचुक का सम्मान करता हूं युवाओं की आवाज सुनी जाए, तभी बदलेगी शिक्षा व्यवस्था

मुंबई। सोहा अली खान और सबा अली खान ने हाल ही में बताया है कि वह भाई सैफ अली खान की पहली शादी में नहीं पहुंची थीं। दोनों तब स्कूल में

कोई बॉयफ्रेंड नहीं रहा। 19 साल की उम्र में वह कोलकाता के एक व्यक्ति से लगभग शादी करने ही वाली थीं, जिनसे उन्हें मिलवाया गया था। हालांकि, उस समय

जरूर कहा कि वो चाहें तो घर आकर साथ डिनर कर सकते हैं। सैफ उसी दिन अमृता के घर पहुंच गए। दोनों बात करने लगे और बातों-ही-बातों में दोनों के



थी और शादी इतनी हड़बड़ी में हुई कि उन्हें खबर तक नहीं दी गई। उनकी स्कूल की प्रिंसिपल ने तलाश में थीं सबा-सबा ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ वह शादी के विचार के लिए तैयार थीं, लेकिन फिर उन्हें कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला जो उनके साथ पूरी तरह मेल खाता हो। उन्होंने अपने दिवंगत पिता और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मंसूर अली खान पटौदी का जिक्र करते हुए कहा कि वह एक असाधारण व्यक्ति थे। सबा ने कहा कि वो चाहती थीं कि उनकी शादी पिता जैसे शख्स से हो, लेकिन ऐसा कोई नहीं मिला। सबा ने ये भी कहा है कि कई बार लोग उनसे पूछते हैं कि क्या वो वाकई सोहा और सैफ की बहन हैं। क्यों सैफ और अमृता ने की हड़बड़ी में शादी-1990 में सैफ अली खान, फिल्ममेकर राहुल रवैल की फिल्म बेखुदी से डेब्यू कर रहे थे। सैफ को लॉन्च करने से पहले राहुल रवैल ने कई बड़े एक्टर्स को सैफ के साथ फोटोशूट करने बुलाया। उनमें अमृता सिंह भी शामिल थीं, जो तब स्टार कही जाती थीं। वहीं सब सैफ को मंसूर अली खान पटौदी और शर्मिला टैगोर के बेटे के रूप में जानते थे। पहली बार तो अमृता ने सैफ को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन फिर जब फोटोशूट के लिए सैफ ने उनके कंधे पर हाथ रखा तो अमृता ने उन्हें गुस्से में देखा। अमृता सैफ से 12 साल बड़ी थीं। पहली मुलाकात के बाद ही एक दिन सैफ ने अमृता के घर कॉल मिलाया। सैफ ने पूछा कि क्या अमृता उनके साथ डिनर पर जाएंगी। अमृता ने ये कहकर इनकार कर दिया कि वो डिनर पर बाहर नहीं जातीं। सैफ ने जब लंच का पूछा तब भी इनकार ही मिला। हालांकि अमृता ने ये

वीह शायद के लिए तैयार नहीं थीं, इसलिए बात आगे नहीं बढ़ सकी। पिता जैसे शख्स की तलाश में थीं सबा-सबा ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ वह शादी के विचार के लिए तैयार थीं, लेकिन फिर उन्हें कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला जो उनके साथ पूरी तरह मेल खाता हो। उन्होंने अपने दिवंगत पिता और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मंसूर अली खान पटौदी का जिक्र करते हुए कहा कि वह एक असाधारण व्यक्ति थे। सबा ने कहा कि वो चाहती थीं कि उनकी शादी पिता जैसे शख्स से हो, लेकिन ऐसा कोई नहीं मिला। सबा ने ये भी कहा है कि कई बार लोग उनसे पूछते हैं कि क्या वो वाकई सोहा और सैफ की बहन हैं। क्यों सैफ और अमृता ने की हड़बड़ी में शादी-1990 में सैफ अली खान, फिल्ममेकर राहुल रवैल की फिल्म बेखुदी से डेब्यू कर रहे थे। सैफ को लॉन्च करने से पहले राहुल रवैल ने कई बड़े एक्टर्स को सैफ के साथ फोटोशूट करने बुलाया। उनमें अमृता सिंह भी शामिल थीं, जो तब स्टार कही जाती थीं। वहीं सब सैफ को मंसूर अली

बीच अच्छी टिवनिंग बैठ गई। दोनों ने एक दूसरे को किस किया और इसी के साथ सैफ ने अमृता से अपने प्यार का इजहार भी कर दिया। अमृता ने भी उनके प्रपोजल को कबूल कर लिया। इसके बाद दो दिनों तक सैफ अमृता के घर पर ही रहे। ये किस्सा खुद सैफ और अमृता ने सिमी गरेवाल के चैट शो में सुनाया था। दो दिनों बाद जब डेब्यू फिल्म बेखुदी के प्रोड्यूसर्स के फ्लायट कॉल आने लगे तो सैफ को मन मारकर शूटिंग के लिए निकलना पड़ा। सैफ के पास सैफ से नहीं थे तो उन्होंने सैफ को लॉन्च करने से पहले राहुल रवैल ने कई बड़े एक्टर्स को सैफ के साथ फोटोशूट करने बुलाया। उनमें अमृता सिंह भी शामिल थीं, जो तब स्टार कही जाती थीं। वहीं सब सैफ को मंसूर अली

नवाब खानदान में शादी करने के लिए अमृता ने धर्म बदल लिया। शादी के तुरंत बाद अमृता सिंह ने इंडस्ट्री से दूरी बना ली, जबकि उनके पास कई बड़ी फिल्मों का ऑफर था और वो करियर के टॉप पर थीं।

शादी के 4 साल बाद अमृता ने बेटी सारा अली खान को जन्म दिया फिर उन्हें एक बेटा इब्राहिम अली खान हुआ। बच्चे होने के चंद सालों बाद ही सैफ और अमृता के बीच झगड़े शुरू हो गए और दोनों ने 2004 में तलाक ले लिया।

सैफ-अमृता की शादी में नहीं पहुंचीं सोहा-सबा:स्कूल प्रिंसिपल ने दी खबर, सबा ने बताया 19 की उम्र में रिश्ता टूटने के बाद क्यों अकेले रहा

मुंबई। सोहा अली खान और सबा अली खान ने हाल ही में बताया है कि वह भाई सैफ अली खान की पहली शादी में नहीं पहुंची थीं। दोनों तब स्कूल में थी और शादी इतनी हड़बड़ी में हुई कि उन्हें खबर तक नहीं दी

खान पटौदी और शर्मिला टैगोर के बेटे के रूप में जानते थे। पहली बार तो अमृता ने सैफ को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन फिर जब फोटोशूट के लिए सैफ ने उनके कंधे पर हाथ रखा तो अमृता ने उन्हें गुस्से में देखा।



गई। उनकी स्कूल की प्रिंसिपल ने मीडिया रिपोर्टर देखने के बाद उन्हें सैफ की शादी की जानकारी दी थी। इसके अलावा सबा अली खान ने बताया है कि क्यों 19 की उम्र में कोलकाता के शख्स से शादी टूटने के बाद वो आज भी सिंगल हैं। शादी के समय स्कूल में थीं सोहा और सबा-नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' के लेटेस्ट एपिसोड में सोहा और सबा पहुंची थीं। बातचीत में सबा अली खान ने बताया कि जब सैफ और अमृता की शादी हुई, तब वह और सोहा दोनों ही स्कूल में थीं। सोहा ने भी बताया कि शादी बहुत जल्दबाजी में हुई थी, इसलिए दोनों बहनें इसका हिस्सा नहीं

अमृता सैफ से 12 साल बड़ी थीं। पहली मुलाकात के बाद ही एक दिन सैफ ने अमृता के घर कॉल मिलाया। सैफ ने पूछा कि क्या अमृता उनके साथ डिनर पर जाएंगी। अमृता ने ये कहकर इनकार कर दिया कि वो डिनर पर बाहर नहीं जातीं। सैफ ने जब लंच का पूछा तब भी इनकार ही मिला। हालांकि अमृता ने ये जरूर कहा कि वो चाहें तो घर आकर साथ डिनर कर सकते हैं। सैफ उसी दिन अमृता के घर पहुंच गए। दोनों बात करने लगे और बातों-ही-बातों में दोनों के बीच अच्छी दिवनिंग बैठ गई। दोनों ने एक दूसरे को किस किया और इसी के साथ सैफ ने अमृता से अपने प्यार का इजहार भी कर दिया। अमृता ने भी उनवें



बन सकीं। प्रिंसिपल ऑफिस से आया था फोन-सबा ने आगे बताया कि शादी की अचानक आई मीडिया खबरों के कारण स्कूल प्रशासन को दखल देना पड़ा था। सबा के मुताबिक, प्रिंसिपल के ऑफिस से उन्हें फोन आया था। उनसे कहा गया था कि जब तक पुष्टि न हो जाए, वे इस बारे में किसी से कोई बात न करें। सबा ने याद करते हुए कहा कि उन्हें निर्देश दिया गया था कि वे किसी को कुछ न बताएं, क्योंकि यह खबर मीडिया में आ चुकी थी और उन्हें इसकी सच्चाई नहीं पता थी। सबा अली खान ने बताया क्यों नहीं की शादी-सबा अली खान ने अपनी शादी न होने के कारणों का खुलासा किया है। सबा ने बताया कि 18-19 साल की उम्र से ही उनके पास शादी के कई प्रस्ताव आने लगे थे, लेकिन उन्होंने किसी से शादी नहीं की। बातचीत के टॉप पर थीं। शादी के 4 साल बाद अमृता ने बेटी सारा अली खान को जन्म दिया फिर उन्हें एक बेटा इब्राहिम अली खान हुआ। बच्चे होने के चंद सालों बाद ही सैफ और अमृता के बीच झगड़े शुरू हो गए और दोनों ने 2004 में तलाक ले लिया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू ट्रेक्टर प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.नं.09415608710 RNI.NO.UPPHIN/2015/63398
नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्टर के अत्यन्त उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सम्पन्न विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।